

Test Date : 24 Feb 2023

Test Slot : Slot 2

Subject : 19-Bengali

Paper I : 201-General Paper

SI. No.1

QBID:16201001

The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

The difference between the production of wheat by the Scientific Method and the Conventional Method in Indonesia is _____ lakh tonnes.

1. 2.3
2. 2.8
3. 2.5
4. 3.1

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

इंडोनेशिया में वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति द्वारा गेहूं उत्पादन के बीच अंतर ____ लाख टन है।

1. 2.3
2. 2.8
3. 2.5
4. 3.1

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

- 1[Option ID=26101]
2[Option ID=26102]
3[Option ID=26103]
4[Option ID=26104]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q1

Sl. No.2
QBID:16201002



The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

The approximate average production of wheat (in lakh tonnes) by the Scientific Method for all the seven countries is

1. 3.06
2. 3.16
3. 4.12
4. 4.24

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सभी सात देशों का वैज्ञानिक पद्धति से गेहूं उत्पादन (लाख टन में) का लगभग औसत है :

1. 3.06

2. 3.16

3. 4.12

4. 4.24

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26105]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q2

2[Option ID=26106]

3[Option ID=26107]

4[Option ID=26108]

Sl. No.3

QBID:16201003



The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

The ratio of production of wheat by Conventional Method in Pakistan to that by the Scientific Method in Japan is -

1. 9 : 40
2. 99 : 260
3. 51 : 260
4. 49 : 40

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

पाकिस्तान में पारम्परिक पद्धति और जापान में वैज्ञानिक पद्धति द्वारा गेहूं उत्पादन का अनुपात है :

- 1. 9 : 40
- 2. 99 : 260
- 3. 51 : 260
- 4. 49 : 40

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26109] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q3
2[Option ID=26110]
3[Option ID=26111]
4[Option ID=26112]

Sl. No.4
QBID:16201004



The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

Production of wheat in Srilanka by the Conventional Method is approximately ____ times the production of wheat in India by the Scientific Method.

1. 1.5
2. 0.9
3. 2.1
4. 1.2

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

श्रीलंका का पारम्परिक पद्धति से गेहूं उत्पादन भारत के वैज्ञानिक पद्धति द्वारा गेहूं उत्पादन से लगभग ____ गुना है।

- 1. 1.5
- 2. 0.9
- 3. 2.1
- 4. 1.2

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26113] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q4
2[Option ID=26114]
3[Option ID=26115]
4[Option ID=26116]

Sl. No.5
QBID:16201005



The following table shows the percentage (%) distribution of wheat production in seven different countries, namely, India, China, Japan, Srilanka, Indonesia, Pakistan and Bangladesh by deploying Scientific Method and Conventional Method. Total production of wheat in these countries is 50 lakh tonnes. Based on the data in the table, answer the questions that follow

Country-wise Distribution of Wheat Production

Country	Distribution (%) of Wheat Production (out of 50 lakh tonnes)	Distribution (%) of Wheat Production	
		Scientific Method	Conventional Method
India	18%	32%	68%
China	22%	70%	30%
Japan	20%	78%	22%
Srilanka	13%	60%	40%
Indonesia	10%	73%	27%
Pakistan	9%	66%	34%
Bangladesh	8%	20%	80%

निम्नलिखित तालिका वैज्ञानिक पद्धति और पारम्परिक पद्धति प्रयुक्त करने वाले विभिन्न सात देशों - भारत, चीन जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, पाकिस्तान एवं बांग्लादेश में गेहूं उत्पादन के प्रतिशत (%) वितरण को दर्शाती है। इन देशों का कुल गेहूं उत्पादन 50 लाख टन है। इस तालिका के आंकड़ों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेहूं उत्पादन का देशवार वितरण

देश	गेहूं उत्पादन का वितरण (%) (50 लाख टन में से)	गेहूं उत्पादन का वितरण (%)	
		वैज्ञानिक पद्धति	पारम्परिक पद्धति
भारत	18%	32%	68%
चीन	22%	70%	30%
जापान	20%	78%	22%
श्रीलंका	13%	60%	40%
इंडोनेशिया	10%	73%	27%
पाकिस्तान	9%	66%	34%
बांग्लादेश	8%	20%	80%

Production of wheat in India by the Scientific Method is approximately ____% more than the production of wheat in Pakistan by the Conventional Method.

1. 88.24
2. 86.26
3. 82.14
4. 78.24

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

भारत का वैज्ञानिक पद्धति से गेहूं उत्पादन पाकिस्तान के पारम्परिक पद्धति द्वारा गेहूं उत्पादन से लगभग _____ प्रतिशत अधिक है।

- 1. 88.24
- 2. 86.26
- 3. 82.14
- 4. 78.24

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26117]
2[Option ID=26118]
3[Option ID=26119]
4[Option ID=26120]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q5

Sl. No.6
QBID:16201006

Which of the following softwares can be used to develop quizzes?

- A. Wakelet
- B. Learning Pod
- C. Pixton
- D. Hot Potatoes
- E. Socrative

Choose the **correct** answer from the options given below:

- 1. A and C only
- 2. B, C, D and E only
- 3. B, D and E only
- 4. A, D and E only

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

प्रश्नोत्तरियों (क्विजेज) को विकसित करने में निम्नलिखित में से किन सॉफ्टवेयर को प्रयुक्त किया जा सकता है?

- A. वेकलैट
- B. लर्निंग पौड
- C. पिक्सटन
- D. हॉट पोटेटॉज
- E. सोक्रेटिव

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. केवल A और C
- 2. केवल B, C, D और E
- 3. केवल B, D और E
- 4. केवल A, D और E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26121]
2[Option ID=26122]
3[Option ID=26123]
4[Option ID=26124]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q6

Sl. No.7
QBID:16201007

What are the learning styles according to Fleming's VARK model of learning?

- 1. Verbal, Auxiliary, Kinesthetic, Rehearsal
- 2. Visual, Auditory, Reading/writing, Kinesthetic
- 3. Verbal, Augmentative, Retrospective, Kinetic
- 4. Visual, Augmentary, Reading, Kinetic

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

फ्लेमिंग के वी.ए.आर.के. (VARK) अधिगम निदर्श के अनुसार कौनसी अधिगम शैलियां हैं?

- 1. मौखिक, सहायक, गतिबोधक, पूर्वाभ्यास
- 2. दृश्यक, श्रवणक (ऑडिटरी), पठन/लेखन, गतिबोधक
- 3. मौखिक, आवर्धक (ऑगमेंटेटिव), पूर्व-प्रभावी, गतिज (काइनेटिक)
- 4. दृश्यिक, आवर्धी (ऑगमेंटरी), पठन, गतिज

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26125]
2[Option ID=26126]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q7

3[Option ID=26127]
4[Option ID=26128]

SI. No.8
QBID:16201008

Rahul was trying to solve some mathematics problems related to trigonometry. He tried many times but failed. His teacher helped him, which led him to follow right approach and he succeeded to solve these problems. This is an example of-

1. Zone of the proximal development
2. Equilibrium
3. Assimilation
4. Schemas

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

राहुल त्रिकोणमिति से संबंधित गणित की कुछ समस्याओं के समाधान का प्रयास कर रहा था। उसने अनेक बार प्रयास किया, लेकिन विफल रहा। उसके शिक्षक ने उसकी सहायता की, जिसने उसका सही उपागम के अनुसरण करने का मार्ग प्रशस्त किया और वह इन समस्याओं के समाधान में सफल रहा। यह निम्नलिखित में से किसका एक उदाहरण है?

1. समीपस्थ विकास क्षेत्र
2. साम्य (इक्विलिब्रियम)
3. आत्मसातीकरण
4. स्कीमाज (रूपरेखा)

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26129]
2[Option ID=26130]
3[Option ID=26131]
4[Option ID=26132]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q8

SI. No.9
QBID:16201009

Which of the following curriculum development models come under Non technical, Non-scientific models?

- A. Open Classroom Model
- B. Goodlad's Model
- C. Roger's Model of Interpersonal Relations
- D. Weinstein and Fantini Model
- E. Taba's Model

Choose the **correct** answer from the options given below:

- 1. B and E only
- 2. A, C and D only
- 3. C, D and E only
- 4. B and D only

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

गैर-तकनीकी और गैर-वैज्ञानिक निदर्श (मॉडल्स) के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौनसे पाठ्यचर्या विकास निदर्श आते हैं?

- A. खुली कक्षा निदर्श
- B. गुडलैड का निदर्श
- C. रोज़र का अंतर्वैयक्तिक निदर्श
- D. विन्सिटीन और फेन्टिनी निदर्श
- E. टाबा का निदर्श

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. केवल B और E
- 2. केवल A, C और D
- 3. केवल C, D और E
- 4. केवल B और D

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26133]
2[Option ID=26134]
3[Option ID=26135]
4[Option ID=26136]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q9

SWAYAM is a platform that facilitates hosting of all the courses, taught in classrooms from ----- to be accessed by anyone, anywhere at any time.

1. class 9th till the post- graduation
2. class 8th till the post- graduation
3. class 5th till doctorate degree
4. class 7th till the post- doctoral degree

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

स्वयम् एक ऐसा मंच है, जो प्रत्येक द्वारा, कहीं भी और किसी भी समय पर अभिगमित कक्षाओं में पढ़ाए जा रहे सभी पाठ्यक्रमों की ----- से ----- की मेजबानी करता है।

1. कक्षा-9 से स्नातकोत्तर तक
2. कक्षा-8 से स्नातकोत्तर तक
3. कक्षा-5 से डॉक्टरेट उपाधि तक
4. कक्षा-7 से डॉक्टरेट उपाधि के बाद की उपाधि तक

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26137]
2[Option ID=26138]
3[Option ID=26139]
4[Option ID=26140]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q10

Sl. No.11
QBID:16201011

Which of the following scales of measurement contains an absolute zero?

1. Nominal
2. Ordinal
3. Interval
4. Ratio

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से मापन के किस स्केल में परम शून्य होता है?

1. नामिक (नॉमिनल)
2. क्रमसूचक (ऑर्डिनल)
3. अंतराल (इंटरवल)
4. अनुपात (रेशियो)

- (1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26141] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q11
2[Option ID=26142]
3[Option ID=26143]
4[Option ID=26144]

SI. No.12
QBID:16201012

Robustness is concerned with

1. External validity
2. Internal validity
3. Measurement validity
4. Construct validity

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

खरापन (रोबस्टनेस) किस से संबंधित है :

1. बाह्य वैधता
2. आन्तरिक वैधता
3. मापन वैधता
4. रचना (कन्स्ट्रक्ट) वैधता

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26145] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q12
2[Option ID=26146]
3[Option ID=26147]
4[Option ID=26148]

SI. No.13
QBID:16201013

A sampling technique in which initially sampled respondents contact and recruit others in their social network for participation in the research is called

1. Convenience sampling
2. Snowball sampling
3. Quota sampling
4. Systematic sampling

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

उस प्रतिचयन को क्या कहा जाता है जिसमें प्रारंभ में प्रतिचयनित अनुक्रिया करने वाले या उत्तर देने वाले अनुसंधान में सहभागिता के लिए अपने सामाजिक नेटवर्क में से अन्य व्यक्तियों से संपर्क करते हैं और उनकी भर्ती करते हैं ?

1. सुविधाजन्य प्रतिचयन
2. स्नोबॉल प्रतिचयन
3. कोटा प्रतिचयन
4. श्रृंखलाबद्ध प्रतिचयन

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26149] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q13
2[Option ID=26150]
3[Option ID=26151]
4[Option ID=26152]

SI. No.14
QBID:16201014

Arrange the following components of a research paper written in APA style, in correct order

- A. Tables
- B. Abstract
- C. References
- D. Figures

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. B, C, A, D
2. B, C, D, A
3. B, A, D, C
4. B, A, C, D

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

एपीए (APA) शैली में लिखित शोध पत्र के निम्नलिखित घटकों को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

- A. सारणी
- B. सार
- C. सन्दर्भ
- D. चित्र

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. B, C, A, D
- 2. B, C, D, A
- 3. B, A, D, C
- 4. B, A, C, D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26153] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q14
2[Option ID=26154]
3[Option ID=26155]
4[Option ID=26156]

SI. No.15
QBID:16201015

Given below are two statements:

Statement I: Debriefing of participants takes place at the beginning of a study.

Statement II: Deception is the practice of giving false information to research participants about some aspect of the study.

In light of the above statements, choose the **most appropriate** answer from the options given below:

- 1. Both Statement I and Statement II are correct.
- 2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
- 3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
- 4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : शोध अध्ययन के प्रारंभ में सहभागियों की जानकारी (डीब्रीफिंग) प्राप्त की जाती है।

कथन - II : शोध के सहभागियों को अध्ययन के कुछ पहलू के बारे में गलत जानकारी प्रदान करने का प्रचलन छल (डिसेप्शन) है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26157]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q15

2[Option ID=26158]

3[Option ID=26159]

4[Option ID=26160]

Sl. No.16

QBID:16201016

The linear model of communication can be described as

1. Liberal
2. Authoritarian
3. Confessional
4. Participatory

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संप्रेषण के रेखीय मॉडल का वर्णन, निम्नलिखित में से किस रूप में किया जा सकता है?

1. उदारवादी
2. सत्तावादी
3. आत्मस्वीकृति
4. सहभागी

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26161]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q16

2[Option ID=26162]

3[Option ID=26163]

4[Option ID=26164]

Sl. No.17

QBID:16201017

Studying the practical use of signs and their impact on everyday life is called

1. Linguistics
2. Syntactics
3. Semantics
4. Pragmatics

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

संकेतों के व्यावहारिक प्रयोग एवं दैनंदिन जीवन पर उसके प्रभाव का अध्ययन कहलाता है :

1. भाषा-विन्यास
2. वाक्यविन्यास विज्ञान
3. शब्दार्थ विज्ञान
4. प्रयोजनमूलक भाषा-शास्त्र विज्ञान (प्रैग्मेटिक्स)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26165]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q17

2[Option ID=26166]

3[Option ID=26167]

4[Option ID=26168]

Sl. No.18

QBID:16201018

What factors are responsible for ineffective listening in a classroom?

- A. Contextualisation of message
- B. Attention-triggers
- C. Physical or mental fatigue
- D. Lack of incentive
- E. Insufficient preparation

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A, B, C only
2. C, D, E only
3. B, C, D only
4. A, D, E only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

कक्षा में निष्प्रभावी श्रवण हेतु उत्तरदायी कारक निम्नलिखित में से कौन से हैं?

- A. संदेश का संदर्भ-निर्धारण
- B. ध्यान विमोचक (अटेंशन-ट्रिगर्स)
- C. शारीरिक एवं मानसिक थकान
- D. प्रेरक का अभाव
- E. अपर्याप्त तैयारी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. केवल A, B और C
- 2. केवल C, D और E
- 3. केवल B, C और D
- 4. केवल A, D और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26169]

2[Option ID=26170]

3[Option ID=26171]

4[Option ID=26172]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q18

Sl. No.19

QBID:16201019

The mechanical model of mass communication is characterised by

- A. Multiple ways flow
- B. One-way flow
- C. From one-to-many
- D. Can be anonymous
- E. Active audience

Choose the **correct** answer from the options given below:

- 1. A, B, C only
- 2. B, C, D only
- 3. C, D, E only
- 4. A, D, E only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

जन संचार के यांत्रिक मॉडल के अभिलक्षण निम्नांकित में से कौन से हैं?

- A. बहुविध प्रवाह
- B. एक दिशीय प्रवाह
- C. एक से अनेक को
- D. अज्ञात हो सकता है
- E. सक्रिय आग्राहक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. केवल A, B और C
- 2. केवल B, C और D
- 3. केवल C, D और E
- 4. केवल A, D और E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26173]

2[Option ID=26174]

3[Option ID=26175]

4[Option ID=26176]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q19

Sl. No.20

QBID:16201020

Given below are two statements:

Statement I: In the earlier days of mass communication, content creators played an important role in the society.

Statement II: They represented and defined reality by authoring narratives to explain to the audience.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

- 1. Both Statement I and Statement II are true.
- 2. Both Statement I and Statement II are false.
- 3. Statement I is true but Statement II is false.
- 4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : जन संचार के आरंभिक दिनों में विषय-वस्तु निर्माताओं ने समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कथन - II : उन्होंने आग्राहकों को व्याख्यायित करने के लिए वृत्तांत लेखन द्वारा वास्तविकता को प्रस्तुत किया और उसे परिभाषित किया।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26177]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q20

2[Option ID=26178]

3[Option ID=26179]

4[Option ID=26180]

Sl. No.21

QBID:16201021

A family comprises of 3 persons A, B and C. The age of A is four times that of B. In four years time, A will be 40 years old. The age of C was half the age of A four years ago. Find the present age of B and C (in years), respectively.

1. 9, 20
2. 9, 16
3. 16, 32
4. 12, 18

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एक परिवार में A, B और C तीन व्यक्ति हैं। A की आयु B की आयु का चार गुना है। चार वर्ष पश्चात A की आयु 40 वर्ष होगी। C की आयु चार वर्ष पूर्व A की आयु के आधी थी। क्रमशः B और C की आयु (वर्षों में) ज्ञात कीजिए।

1. 9, 20
2. 9, 16
3. 16, 32
4. 12, 18

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26181]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q21

2[Option ID=26182]

3[Option ID=26183]

4[Option ID=26184]

SI. No.22

QBID:16201022

While pointing towards a picture, a man says "This girl is the wife of the grand-son of my mother". How is the man related to the girl in the picture?

1. Brother-in-law
2. Father
3. Father-in-law
4. Brother

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एक तस्वीर की ओर संकेत करते हुए एक व्यक्ति कहता है कि, "यह लड़की मेरी माँ के पौत्र की पत्नी है।" तस्वीर की लड़की का उस व्यक्ति से क्या संबंध है?

1. साला/ जीजा
2. पिता
3. ससुर
4. भाई

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26185]

2[Option ID=26186]

3[Option ID=26187]

4[Option ID=26188]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q22



SI. No.23

QBID:16201023

A man starts from a point X and walks 20 meters to reach a point Y in the north-east direction. He then turns right and walks 20 meters again to reach a point Z. How far is the point Z from point X?

1. $20\sqrt{2}$ m
2. $10\sqrt{2}$ m
3. 20 m
4. $2\sqrt{20}$ m

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

एक व्यक्ति X बिन्दु से चलना आरंभ करता है और उत्तर पूर्व दिशा में Y बिन्दु पर पहुँचने के लिए 20 मीटर चलता है। वह उसके बाद दाहिनी ओर मुड़ता है और Z बिन्दु पर पहुँचने के लिए फिर 20 मीटर चलता है। Z बिन्दु की X बिन्दु से दूरी कितनी है?

1. $20\sqrt{2}$ मीटर
2. $10\sqrt{2}$ मीटर
3. 20 मीटर
4. $2\sqrt{20}$ मीटर

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26189] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q23
2[Option ID=26190]
3[Option ID=26191]
4[Option ID=26192]

Sl. No.24
QBID:16201024

A man invests some amount of money for some time period. This amount of money becomes ₹4500 at the rate of 7% simple interest. However, if invested at 5% per annum simple interest, the same amount becomes ₹3500. Find out the amount of money and the time period.

1. ₹1000, 50 years.
2. ₹2000, 50 years.
3. ₹1000, 30 years.
4. ₹2000, 30 years.

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

एक व्यक्ति किसी धनराशि का निवेश कुछ समय के लिए करता है। यह धनराशि 7% साधारण ब्याज की दर से ₹4500 हो जाती है। तथापि, यदि 5% वार्षिक साधारण ब्याज की दर से निवेश किया जाए तो वही धनराशि ₹3500 हो जाती है। धनराशि एवं समयावधि ज्ञात कीजिए :

1. ₹ 1000, 50 वर्ष
2. ₹ 2000, 50 वर्ष
3. ₹ 1000, 30 वर्ष
4. ₹ 2000, 30 वर्ष

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26193] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q24
2[Option ID=26194]
3[Option ID=26195]
4[Option ID=26196]

Sl. No.25
QBID:16201025

What number should replace question mark (?) in the series given below:

12, 12, 24, 72, 288, ?, 8640

1. 360
2. 1152
3. 1415
4. 1440

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दी गई श्रृंखला में कौन सी संख्या प्रश्न वाचक चिन्ह (?) को प्रतिस्थापित करेगी ?

12, 12, 24, 72, 288, ?, 8640

1. 360
2. 1152
3. 1415
4. 1440

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26197]
2[Option ID=26198]
3[Option ID=26199]
4[Option ID=26200]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q25

Sl. No.26
QBID:16201026

If 'No metals are gases' is given as false, then which of the following statements can be immediately inferred to be true?

- A. All gases are metals.
- B. All metals are gases.
- C. Some metals are not gases.
- D. Some metals are gases.

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. C and D only
2. A and B only
3. D only
4. A and D only

- (1) 1
(2) 2

(3) 3

(4) 4

यदि 'कोई धातु गैस नहीं है' को गलत के रूप में दिया गया है तो निम्नलिखित में से किस कथन के सही होने का तात्कालिक रूप से अनुमान किया जा सकता है?

- A. सभी गैसों धातुएं हैं।
- B. सभी धातुएं गैसों हैं।
- C. कुछ धातुएँ गैस नहीं हैं।
- D. कुछ धातुएं गैस हैं।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. केवल C और D
- 2. केवल A और B
- 3. केवल D
- 4. केवल A और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26201]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q26

2[Option ID=26202]

3[Option ID=26203]

4[Option ID=26204]

Sl. No.27

QBID:16201027

Which of the following statements are so related that they can not both be false, although they may both be true?

- A. All metals are gases.
- B. Some metals are gases.
- C. Some metals are not gases.
- D. No metals are gases.

Choose the **correct** answer from the options given below:

- 1. A and D only
- 2. B and C only
- 3. A and B only
- 4. C and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन से कथन इस प्रकार संबंधित हैं कि वे दोनों गलत नहीं हो सकते, यद्यपि वे दोनों सही हो सकते हैं?

- A. सभी धातुएं गैस हैं।
- B. कुछ धातुएं गैस हैं।
- C. कुछ धातुएं गैस नहीं हैं।
- D. कोई भी धातु गैस नहीं है।

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. केवल A और D
- 2. केवल B और C
- 3. केवल A और B
- 4. केवल C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26205]

2[Option ID=26206]

3[Option ID=26207]

4[Option ID=26208]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q27

SI. No.28

QBID:16201028

"The last time I stretched my arms first and my legs second, I won my race, So that stretching sequence must have increased my speed." Which informal fallacy is committed in the above statement?

- 1. Post hoc
- 2. False alternative
- 3. Hasty generalisation
- 4. Slippery slope

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"पहली बार मैंने अपनी भुजाएं और दूसरी बार अपनी टांगों को खिंचाव दिया और मैंने अपनी दौड़ जीत ली। इसलिए, इस खिंचाव देने के क्रम ने मेरी गति बढ़ा दी होगी।"

उपर्युक्त कथन में कौनसा अनाकारिक तर्क-दोष किया गया है?

- 1. पोस्ट हॉक
- 2. गलत विकल्प
- 3. अविचारी सामान्यीकरण
- 4. फिसलनयुक्त ढलान (स्लिपरि स्लोप)

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26209] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q28
2[Option ID=26210]
3[Option ID=26211]
4[Option ID=26212]

SI. No.29
QBID:16201029

Which of the following statements is logically equivalent to the statement - 'No metals are gases'?

1. All non-metals are gases.
2. No gases are metals.
3. No metals are non-gases.
4. All non-gases are non- metals.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौनसा कथन तार्किक रूप से इस कथन के समतुल्य है - 'कोई भी धातु गैस नहीं है'?

1. सभी गैर-धातुएं गैस हैं।
2. कोई भी गैस धातु नहीं है।
3. कोई भी धातु गैर-गैस नहीं है।
4. सभी गैर-गैस गैर-धातुएं हैं।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26213] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q29
2[Option ID=26214]
3[Option ID=26215]
4[Option ID=26216]

SI. No.30
QBID:16201030

According to Nyāya (classical Indian school of logic) Which fallacy is committed in the following argument- 'Sound is eternal because it is produced'?

1. Anupasmhāri
2. Sādhāraṇa
3. Svarūpāsiddha
4. Viruddha

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

न्याय (शास्त्रीय भारतीय तर्कशास्त्र विचार-सम्प्रदाय) के अनुसार निम्नलिखित युक्ति में कौनसा तर्क-दोष किया गया है?

"ध्वनि शाश्वत है क्योंकि यह उत्पन्न की जाती है।"

1. अनुपसम्हारी
2. साधारण
3. स्वरूपासिद्ध
4. विरुद्ध

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26217] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q30
2[Option ID=26218]
3[Option ID=26219]
4[Option ID=26220]

SI. No.31
QBID:16201031

Which one of the following acronyms matches incorrectly with its full form?

1. SMS- Short Message Storage
2. URL - Uniform Resource Locator
3. BLOG- weB LOG
4. VPN- Virtual Private Network

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सा परिवर्णी शब्द उसके पूर्ण रूप से सही सुमेलित नहीं है?

1. एस एम एस - शार्ट मैसेज स्टोरेज
2. यू आर एल - यूनिफार्म रिसोर्स लोकेटर
3. ब्लॉग - वेब लॉग (weB LOG)
4. वी पी एन - वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26221] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q31
2[Option ID=26222]
3[Option ID=26223]
4[Option ID=26224]

SI. No.32
QBID:16201032

Identify the correct order of the following list of stages A-E when an email is sent and received.

- A. Sender's ISP mail server decides how to route the message, and the message travels over the Internet and arrives at recipient's ISP mail server.
- B. Message retrieved and sent to recipient's computer to be opened and read.
- C. The sender composes his message and activates the send command.
- D. Message held in recipient's electronic mail box and recipient logs on to read his messages.
- E. Message is sent to sender's ISP mail server and this server examines address associated with message.

Choose the **correct** answer from the options given below:

- 1. C, E, A, B, D
- 2. A, C, B, D, E
- 3. D, B, C, E, A
- 4. C, E, A, D, B

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

निम्नलिखित सूची की A-E की ईमेल भेजने और प्राप्त करने की अवस्थाओं के सही क्रम को चिन्हित कीजिए :

- A. प्रेषक का आई एस पी मेल सर्वर निर्णय करता है कि संदेश का मार्ग क्या होगा, और संदेश इंटरनेट पर जाता है तथा प्राप्तकर्ता के आई एस पी मेल सर्वर पर पहुँचता है
- B. संदेश की पुनर्प्राप्ति होती है और इसे प्राप्तकर्ता के कंप्यूटर पर खोलने और पढ़ने के लिए भेजा जाता है
- C. प्रेषक अपना संदेश लिखता है और सेन्ड कमांड को सक्रिय करता है
- D. प्राप्तकर्ता के इलेक्ट्रॉनिक मेल बाक्स में संदेश प्राप्त होता है और प्राप्तकर्ता अपने संदेश को पढ़ने के लिए लॉग ऑन करता है
- E. प्रेषक के आई एस पी मेल सर्वर पर संदेश भेजा जाता है और यह सर्वर संदेश के साथ संबद्ध एड्रेस का परीक्षण करता है

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. C, E, A, B, D
- 2. A, C, B, D, E
- 3. D, B, C, E, A
- 4. C, E, A, D, B

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26225]
2[Option ID=26226]
3[Option ID=26227]
4[Option ID=26228]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q32

Sl. No.33
QBID:16201033

Given below are two statements:

Statement I: $(4A2F)_{16} = (18991)_{10}$

Statement II: $(6940)_{10} = (1B1C)_{16}$

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : $(4A2F)_{16} = (18991)_{10}$

कथन - II : $(6940)_{10} = (1B1C)_{16}$

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26229]
2[Option ID=26230]
3[Option ID=26231]
4[Option ID=26232]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q33

Sl. No.34
QBID:16201034

Which of the following memory/ storage devices are considered as primary storage?

- A. Removable hard disk drive
- B. RAM
- C. ROM
- D. DVD/CD

Choose the **correct** answer from the options given below:

- 1. A and D only
- 2. B and D only
- 3. A and C only
- 4. B and C only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

निम्नलिखित में से कौन सी स्मृति / भंडारण युक्तियाँ प्राथमिक भंडारण मानी जाती हैं?

- A. स्थानांतरणीय हार्ड डिस्क ड्राइव
- B. रैम (RAM)
- C. रॉम (ROM)
- D. डी वी डी / सी डी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. केवल A और D
- 2. केवल B और D
- 3. केवल A और C
- 4. केवल B और C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26233]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q34

2[Option ID=26234]

3[Option ID=26235]

4[Option ID=26236]

SI. No.35

QBID:16201035

Match **List I** with **List II**

List I (Description)	List II (ICT Term)
A. Set of rules that must be obeyed when transforming files on data across the internet	I. Internet Service Provider
B. ID given to a device when it connects to the Internet; the ID changes each time the device connects	II. Hyper Text Transfer Protocol (HTTP)
C. Company that provides the user with access to the Internet for a monthly subscription	III. Media Access Control (MAC) address
D. ID which uniquely identifies a device connected to the Internet; this ID rarely changes.	IV. Internet Protocol (IP) Address

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - IV, B - II, C - I, D - III
2. A - II, B - IV, C - I, D - III
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - I, B - IV, C - II, D - III

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (विवरण)	सूची-II (आई सी टी शब्द)
A. नियमों का वह समुच्चय जिसका इंटरनेट पर फाइलों या डाटा स्थानांतरण करते समय अवश्य पालन करना चाहिए	I. इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर
B. इंटरनेट से जुड़ते समय किसी युक्ति को दी गई आई डी; हर बार जब युक्ति इंटरनेट से जुड़ती है तो आई डी परिवर्तित हो जाती है	II. हाइपरटेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल (एच टी टी पी)
C. वह कंपनी जो प्रयोक्ताओं को मासिक चंदे पर इंटरनेट अभिगम प्रदान करती है	III. मीडिया एक्सेस कंट्रोल (एम ए सी) एड्रेस
D. वह आई डी जो इंटरनेट से जुड़ी हुई किसी युक्ति को विशिष्ट रूप से चिन्हित करती है; यह आई डी कभी कभार परिवर्तित होती है	IV. इंटरनेट प्रोटोकॉल (आई पी) एड्रेस

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - IV, B - II, C - I, D - III
2. A - II, B - IV, C - I, D - III
3. A - III, B - I, C - IV, D - II
4. A - I, B - IV, C - II, D - III

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

3[Option ID=26239]

4[Option ID=26240]

SI. No.36

QBID:16201036

Hydrogen produced using solar energy is called as

1. Grey hydrogen
2. Green hydrogen
3. White hydrogen
4. Torquoise hydrogen

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सौर ऊर्जा के उपयोग द्वारा उत्पन्न की गयी हाइड्रोजन को क्या कहा जाता है?

1. धूसर हाइड्रोजन
2. हरित हाइड्रोजन
3. श्वेत हाइड्रोजन
4. टर्कोइज (फीरोजा) हाइड्रोजन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26241]

2[Option ID=26242]

3[Option ID=26243]

4[Option ID=26244]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q36

SI. No.37

QBID:16201037

Match **List I** with **List II**

List-I (Summit/ Protocol)	List-II (Theme/ Issue)
A. Paris Agreement	I. Ozone layer
B. Kyoto Protocol	II. Human environment
C. Rio Summit	III. Clean Development Mechanism
D. Montreal Protocol	IV. Climate change issues

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - IV, B - II, C - III, D - I
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सूची -I को सूची -II से सुमेलित कीजिए :

सूची -I शिखर सम्मेलन / प्रोटोकॉल	सूची -II विषय / मुद्दे
A. पेरिस समझौता	I. ओजोन परत
B. क्योटो प्रोटोकॉल	II. मानव पर्यावरण
C. रियो शिखर सम्मेलन	III. स्वच्छ विकास क्रिया-विधि
D. मांट्रियल प्रोटोकॉल	IV. जलवायु परिवर्तन के मुद्दे

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - I, B - II, C - III, D - IV
2. A - II, B - III, C - IV, D - I
3. A - IV, B - II, C - III, D - I
4. A - IV, B - III, C - II, D - I

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26245]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q37

2[Option ID=26246]

3[Option ID=26247]

4[Option ID=26248]

Sl. No.38

QBID:16201038

Match **List I** with **List II**

List-I (Effect type due to sea level rise)	List-II (Example)
A. Biogeophysical effect	I. Rehabilitation
B. Climatic effect	II. Flooding due to sea water
C. Social effect	III. Salt water intrusion
D. Non-climatic effect	IV. Storm changes

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A - III, B - II, C - IV, D - I
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - IV, B - III, C - I, D - II

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए :

सूची-I (समुद्र तल में वृद्धि के प्रभाव के प्रकार)	सूची-II (उदाहरण)
A. जैव भूभौतिक प्रभाव	I. पुनर्वास
B. जलवायु प्रभाव	II. समुद्री जल के कारण बाढ़
C. सामाजिक प्रभाव	III. लवण जल अंतर्वेधन
D. गैर-जलवायु प्रभाव	IV. झंझावात परिवर्तन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए :

1. A - III, B - II, C - IV, D - I
2. A - III, B - IV, C - I, D - II
3. A - IV, B - III, C - II, D - I
4. A - IV, B - III, C - I, D - II

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26249] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q38
2[Option ID=26250]
3[Option ID=26251]
4[Option ID=26252]

Sl. No.39
QBID:16201039

Which of the following are removed through secondary waste water treatment process?

1. Polythene, tetra pack, etc.
2. Large suspended solids
3. Colloidal and dissolved organic matter
4. Settleable organic matters

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

निम्नलिखित में से किसे द्वितीयक अपशिष्ट जल शोधन प्रक्रिया द्वारा हटाया जाता है?

1. पॉलीथीन, टेट्रापैक आदि
2. वृहत निलंबित ठोस
3. कोलॉइडी और विलयित जैव पदार्थ
4. स्थिर होने योग्य जैव पदार्थ

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26253] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q39
2[Option ID=26254]
3[Option ID=26255]
4[Option ID=26256]

Sl. No.40
QBID:16201040

Given below are two statements:

Statement I: Article 48A: It is the duty of citizens of India to protect and improve the natural environment.

Statement II: Article 51: Directive Principles of state policy are to ensure protection and improvement of the natural Environment.

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : अनुच्छेद 48ए : भारत के नागरिकों का यह कर्तव्य है कि वे प्राकृतिक पर्यावरण को संरक्षित एवं संवर्धित करें।

कथन - II : अनुच्छेद 51 : राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन को सुनिश्चित करते हैं।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26257] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q40
2[Option ID=26258]
3[Option ID=26259]
4[Option ID=26260]

Sl. No.41
QBID:16201041

According to NEP 2020, how much percentage of learners by 2025 through the school and higher education system shall have exposure to vocational education?

1. 50%
2. 40%
3. 35%
4. 60%

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के अनुसार 2025 तक कितने प्रतिशत अधिगमकर्ताओं को विद्यालय और उच्चतर शिक्षा प्रणाली के माध्यम से व्यावसायिक शिक्षा का उद्घासन प्राप्त होगा?

1. 50 प्रतिशत
2. 40 प्रतिशत
3. 35 प्रतिशत
4. 60 प्रतिशत

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26261]
2[Option ID=26262]
3[Option ID=26263]
4[Option ID=26264]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q41

Sl. No.42
QBID:16201042

What is full form of 'STARS' ?

1. Scheme for Transformational and Advanced Research in Fundamental Sciences
2. Schedule for Transdisciplinary and Advocacy Research in Framework of Society.
3. Standard for Transformational and Advanced Rights in Framework of Society.
4. Standard for Transdisciplinary and Academic Research in Fundamental Sciences.

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

'एस.टी.ए.आर.एस.' (STARS) का पूरा नाम क्या है?

1. स्कीम फॉर ट्रांसफोर्मेशनल एंड एडवांस्ड रिसर्च इन फंडामेंटल साइंसेज
2. शिड्यूल फॉर ट्रांसडिसिप्लिनरी एंड एडवोकेसी रिसर्च इन फ्रेमवर्क ऑफ सोसायटी
3. स्टैन्डर्ड फॉर ट्रांसफोर्मेशनल एंड एडवांस्ड राइट्स इन फ्रेमवर्क ऑफ सोसायटी
4. स्टैन्डर्ड फॉर ट्रांसडिसिप्लिनरी एंड एकेडेमिक रिसर्च इन फंडामेन्टल साइंसेज

- (1) 1
(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26265] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q42
2[Option ID=26266]
3[Option ID=26267]
4[Option ID=26268]

SI. No.43
QBID:16201043

Given below are two statements:

Statement I: Distance education has replaced the formal education in India

Statement II: Distance education reduces the cost of education

In light of the above statements, choose the *correct* answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are true.
2. Both Statement I and Statement II are false.
3. Statement I is true but Statement II is false.
4. Statement I is false but Statement II is true.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : भारत में दूरस्थ शिक्षा ने औपचारिक शिक्षा को प्रतिस्थापित कर दिया है।

कथन - II : दूरस्थ शिक्षा शिक्षा की लागत को कम करती है।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सत्य हैं।
2. कथन I और II दोनों असत्य हैं।
3. कथन I सत्य है, लेकिन कथन II असत्य है।
4. कथन I असत्य है, लेकिन कथन II सत्य है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26269] Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q43
2[Option ID=26270]
3[Option ID=26271]
4[Option ID=26272]

SI. No.44
QBID:16201044

What is the full form of 'NITI'?

1. National Integration for Teaching Indians
2. Non-Government Initiation for Training Institute
3. National Institution for Transforming India
4. National Identification for Technical Integration

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

"नीति" का पूर्ण रूप क्या है?

1. नेशनल इंटीग्रेशन फॉर टीचिंग इंडियन्स
2. नॉन गवर्नमेंट इनिशिएशन फॉर ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट
3. नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ट्रांसफार्मिंग इंडिया
4. नेशनल आईडेंटिफिकेशन फॉर टेक्नीकल इन्टीग्रेशन

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26273]

2[Option ID=26274]

3[Option ID=26275]

4[Option ID=26276]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q44

Sl. No.45

QBID:16201045

During the ancient period in India which of the following places were included among the places of learning?

A. Temples

B. Mathas

C. Basadis

D. Viharas

Choose the **correct** answer from the options given below:

1. A, B and D only
2. A and D only
3. A, B, C and D
4. A, C and D only

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

भारत में प्राचीन काल के दौरान निम्नलिखित में से कौन से स्थल अधिगम केन्द्रों में शामिल थे?

- A. मंदिर
- B. मठ
- C. बसदी
- D. विहार

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

- 1. केवल A, B और D
- 2. केवल A और D
- 3. A, B, C और D
- 4. केवल A, C और D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26277]

2[Option ID=26278]

3[Option ID=26279]

4[Option ID=26280]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q45

Sl. No.46

QBID:16201046



Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमशः 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Given below are two statements:

Statement I: All the Special Acts of Incorporation by which universities were established in India were exactly the same.

Statement II: The first university in India to be granted the power to appoint Professor and Lecturers was Allahabad University.

In light of the above statements, choose the **most appropriate** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : सभी विशेष निगमन अधिनियम जिनके द्वारा भारत में विश्वविद्यालयों की स्थापना की गई थी, बिलकुल समान थे।

कथन - II : भारत में पहला विश्वविद्यालय, जिसे प्रोफेसर और व्याख्याताओं (लेक्चरर्स) को नियुक्त करने का अधिकार दिया गया था, वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय था।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26281]

2[Option ID=26282]

3[Option ID=26283]

4[Option ID=26284]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q46

Sl. No.47

QBID:16201047

Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमशः 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बाम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Given below are two statements:

Statement I: Allahabad University and Punjab University were established at the same time

Statement II: Bombay University and Madras University were established at the same time

In light of the above statements, choose the **most appropriate** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : इलाहाबाद विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय एक ही समय में स्थापित किए गए थे।

कथन - II : बाम्बे विश्वविद्यालय और मद्रास विश्वविद्यालय एक ही समय में स्थापित किए गए थे।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26285]
2[Option ID=26286]
3[Option ID=26287]
4[Option ID=26288]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q47

Sl. No.48
QBID:16201048



Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चरर्स की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजुकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमशः 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Identify the first three universities established in India

- A. Allahabad
- B. Punjab
- C. Calcutta
- D. Bombay
- E. Madras

Choose the **correct** answer from the options given below:

- 1. A, B and C only
- 2. B, C and D only
- 3. C, D and E only
- 4. B, D and E only

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

भारत में स्थापित पहले तीन विश्वविद्यालयों की पहचान करें

- A. इलाहाबाद
- B. पंजाब
- C. कलकत्ता
- D. बाम्बे
- E. मद्रास

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

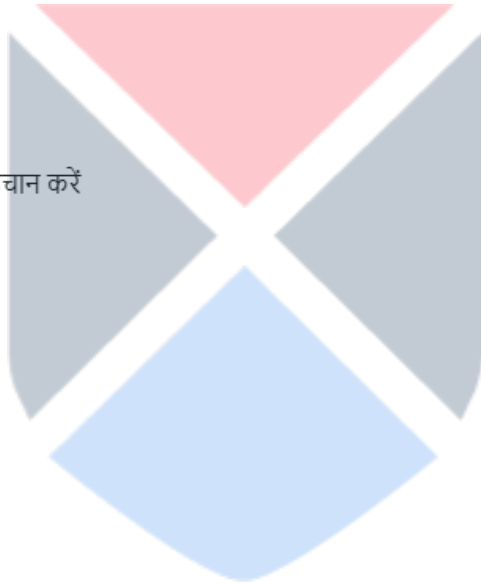
- 1. केवल A, B और C
- 2. केवल B, C और D
- 3. केवल C, D और E
- 4. केवल B, D और E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26289]
2[Option ID=26290]
3[Option ID=26291]
4[Option ID=26292]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q48

SI. No.49
QBID:16201049



Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमशः 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Given below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).

Assertion (A): When Calcutta University was established, it was also granted the power to appoint Professors and Lecturers.

Reason (R): Education Despatch of 1854 suggested the possible institution that could appoint Professors.

In light of the above statements, choose the *most appropriate* answer from the options given below:

1. Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).
2. Both (A) and (R) are correct and (R) is NOT the correct explanation of (A).
3. (A) is correct but (R) is not correct.
4. (A) is not correct but (R) is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं : एक को अभिकथन (A) और दूसरे को तर्क (R) कहा गया है।

अभिकथन (A) : जब कलकत्ता विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी तो इसे प्रोफेसरोँ और प्राध्यापकोँ (लेक्चररोँ) की नियुक्ति करने की शक्ति भी दी गई थी।

तर्क (R) : वर्ष, 1854 के एजूकेशन डिस्पैच में प्रोफेसरोँ की नियुक्ति करने वाली संभावित संस्था का सुझाव दिया गया था।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नांकित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
2. (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
3. (A) सही है परन्तु (R) सही नहीं है।
4. (A) सही नहीं है परन्तु (R) सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26293]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q49

2[Option ID=26294]

3[Option ID=26295]

4[Option ID=26296]

Sl. No.50

QBID:16201050

Read the following passage and answer the questions that follow:

In 1882 the Punjab University was established by a Special Act of Incorporation and in 1887 another Special Act of Incorporation established the fifth Indian university at Allahabad. The general framework of these two Special Acts of Incorporation was similar to the Acts of 1857 though power was given to the Senates of the Punjab and the Allahabad Universities "to appoint or provide for the appointment of Professor and Lecturers"- a privilege which was denied by the Acts of Incorporation to the first three universities at Calcutta, Bombay and Madras in 1857. The first three universities were deliberately intended to be examining universities only, in the same manner and on the same model as the then University of London. Thereby it ignored an important suggestion of the Education Despatch of 1854 which suggested possible institution of "professorships for the purpose of the delivery of lectures in various branches of learning for the acquisition of which, at any rate in an advanced degree, facilities do not now exist in other institutions in India." When Lahore and Allahabad got this privilege in 1882 and 1887, respectively, The Indians had asked for its extension to Calcutta, Bombay and Madras but European officials closely connected with the university contested it on two grounds.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

वर्ष 1882 में एक विशेष निगमन अधिनियम द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी और एक दूसरे विशेष निगमन अधिनियम द्वारा वर्ष 1887 में इलाहाबाद में पाँचवें भारतीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। इन दो विशेष निगमन अधिनियमों का सामान्य दायरा वर्ष 1857 के अधिनियमों के समान ही था हालाँकि पंजाब और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों के सीनेटों को "प्रोफेसर और लेक्चररों की नियुक्ति करने या नियुक्ति का प्रावधान करने की शक्ति दी गई" - यह विशेषाधिकार था जिसे निगमन अधिनियमों द्वारा वर्ष 1857 में कलकत्ता, बम्बे तथा मद्रास स्थित विश्वविद्यालयों को देने से इनकार कर दिया गया था। इन पहले तीनों विश्वविद्यालयों को जानबूझकर उसी रीति और मॉडल के आधार पर केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय बनाया गया था जैसे लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेनेवाला विश्वविद्यालय था। इसके माध्यम से इसमें 1854 के एजूकेशन डिस्पैच के एक महत्वपूर्ण सुझाव को नजरंदाज कर दिया गया था "जिसमें ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में व्याख्यान देने के उद्देश्य से प्रोफेसरशिप की संभावित संस्था का रूप देने का सुझाव दिया गया था जिन्हें उन्नत डिग्री स्तर पर किसी भी रूप में प्राप्त करने की सुविधाएँ भारत की अन्य संस्थाओं में मौजूद नहीं थी।" जब लाहौर और इलाहाबाद विश्वविद्यालयों को क्रमशः 1882 और 1887 में ये विशेषाधिकार प्राप्त हो गए तो भारतीयों ने कलकत्ता, बम्बे तथा मद्रास विश्वविद्यालयों को भी यह विशेषाधिकार देने का अनुरोध किया था परंतु विश्वविद्यालय से घनिष्ठ रूप से जुड़े यूरोपिय अधिकारियों ने दो आधारों पर इसका विरोध किया था।

Given below are two statements:

Statement I: University of London was an examining university only.

Statement II: All suggestions of Education Despatch of 1854 were accepted when University of Madras was established.

In light of the above statements, choose the **most appropriate** answer from the options given below:

1. Both Statement I and Statement II are correct.
2. Both Statement I and Statement II are incorrect.
3. Statement I is correct but Statement II is incorrect.
4. Statement I is incorrect but Statement II is correct.

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

नीचे दो कथन दिए गए हैं :

कथन - I : लंदन विश्वविद्यालय केवल परीक्षा लेने वाला विश्वविद्यालय था।

कथन - II : जब मद्रास विश्वविद्यालय की स्थापना हुई तो वर्ष 1854 के एजुकेशन डिस्पैच के सभी सुझाव स्वीकार कर लिए गए थे।

उपर्युक्त कथनों के आलोक में निम्नलिखित विकल्पों में से सही उत्तर चुनें :

1. कथन I और II दोनों सही हैं।
2. कथन I और II दोनों गलत हैं।
3. कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है।
4. कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26297]

2[Option ID=26298]

3[Option ID=26299]

4[Option ID=26300]

Question Description : dwbv_pg_gp16_eng_2_q50

Paper II : 19-Bengali

Sl. No.1

QBID:19001

"কলির প্রথম সার্বৈ সৎ কৰ্ম কৰিতে নাদে "। এখানে 'নাদে' পদটি হল:

1. ন্যস্তৰ্থক ধাতু জাত ক্ৰিয়াপদ
2. কাকৰক বিভক্তি যুক্ত বিশেষ্য পদ
3. নঞৰ্থক অব্যয় যুক্ত ক্ৰিয়াপদ
4. ক্ৰিয়া-বিশেষণাত্মক পদ

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25701] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q1
2[Option ID=25702]
3[Option ID=25703]
4[Option ID=25704]

SI. No.2
QBID:19002

নীচে শব্দগুলির মধ্যে নাসিক্য ও মহাপ্রাণ ধ্বনিযুক্ত যুক্ত-ব্যঞ্জনে মহাপ্রাণতার লোপ পেয়েছে যে শব্দটিতে সেটি হল:

1. নাই
2. তেহ
3. কান
4. চিনহ

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25705] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q2
2[Option ID=25706]
3[Option ID=25707]
4[Option ID=25708]

SI. No.3
QBID:19003

'পুতুলনাচের ইতিকথা' উপন্যাস অনুসরণে গোপালের গুরুদেবের নাম হল :

1. ভূতনাথ ব্রহ্মচারী
2. তারানাথ ব্রহ্মচারী
3. ভোলা ব্রহ্মচারী
4. শম্ভু ব্রহ্মচারী

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25709] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q3
2[Option ID=25710]
3[Option ID=25711]
4[Option ID=25712]

SI. No.4
QBID:19004

ছাদ > ছাত, এটি যে ধরনের ধ্বনিপরিবর্তনের উদাহরণ, তা হল :

1. অল্পপ্রাণীভবন
2. মহাপ্রাণীভবন
3. অঘোষীভবন
4. ঘোষীভবন

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25713] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q4
2[Option ID=25714]
3[Option ID=25715]
4[Option ID=25716]

SI. No.5
QBID:19005

"আমায় দেও মা তবিলদারী" গানে রামপ্রসাদ তাঁর গ্রহেন প্রার্থনার যে অব্যবহিত কারণটি জানিয়েছেন, সেটি হল:

1. 'অর্থ বিনা ব্যর্থ যে এই সংসার সবারি'
2. 'পদ-রত্ন-ভাণ্ডার সবাই লুটে, ইহা আমি সহিতে নারি'
3. 'ঐ যে পান বেচে খায় কৃষ্ণ পাস্তি, তারে দিলে জমিদারী'
4. 'ঐ যে মা থাকিতে আমার, জাগা ঘরে হয় চুরি'

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25717] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q5
2[Option ID=25718]
3[Option ID=25719]
4[Option ID=25720]

SI. No.6
QBID:19006

"মেঘ-ঘামিনী অতি ঘন আন্ধিয়ার " বৈষ্ণব পদাবলীর অভিসার পর্যায়ের এই পদটির রচয়িতা হলেন:

1. জ্ঞানদাস
2. গোবিন্দদাস
3. চণ্ডীদাস
4. বিদ্যাপতি

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25721] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q6
2[Option ID=25722]
3[Option ID=25723]
4[Option ID=25724]

SI. No.7
QBID:19007

“চাটঁর চিকুর ছান্দে টালিঞা করবী বাঞ্চে
বেড়ি নব মালতীর ফুলে
সরস কুসুম ছাড়ি ভ্রময়ে করবী বেড়ি
মধুলোভে মত্ত অলিকুলে।”

‘চণ্ডীমঙ্গল’(বণিক খণ্ড) অবলম্বনে এখানে যাঁর রূপ বর্ণিত হয়েছে, তিনি হলেন:

1. কমলে কামিনী
2. খুল্লনা
3. লহনা
4. সুশীলা

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25725] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q7
2[Option ID=25726]
3[Option ID=25727]
4[Option ID=25728]

Sl. No.8
QBID:19008

“এতেক শুনিয়া গিয়া গাধির নন্দন।

কহিলেন জনকেরে সৰ্ব্ব বিবরণ ॥”

কৃষ্ণিবাসী রামায়ণের ‘আদিকাণ্ড’ অনুসরণে এখানে ‘গাধির নন্দন’ বলতে যাঁকে বোঝানো হয়েছে তিনি হলেন:

1. বিশ্বামিত্র
2. গৌতম
3. বশিষ্ঠ
4. বৈশম্পায়ন

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25729] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q8
2[Option ID=25730]
3[Option ID=25731]
4[Option ID=25732]

Sl. No.9
QBID:19009

বাল্মীকি, ভর্তৃহরি, ভবভূতি, কালিদাস, কৃষ্ণিবাস প্রমুখ মহাকাবিদের বন্দনা করে শুরু হয়েছে ‘মেঘনাদবধ কাব্য’- এর ষে সর্গ:

1. চতুর্থ সর্গ
2. পঞ্চম সর্গ
3. ষষ্ঠ সর্গ
4. সপ্তম সর্গ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25733] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q9
2[Option ID=25734]
3[Option ID=25735]
4[Option ID=25736]

SI. No.10
QBID:19010

'বিজয়ী বসতি আনে সচ্ছল বসতি আনে উনুখর দেশ/কত চলিউক্ষিন !'- বিষ্ণু দে রচিত 'জল দাও' কবিতায় উল্লেখিত এই 'চলিউক্ষিন' হলেন:

1. অষ্টাদশ শতকের রুশ অভিযাত্রী
2. পূর্বতন সোভিয়েত ইউনিয়নের বিপ্লবী নেতা
3. ঊনবিংশ শতাব্দীর রাশিয়ান কবি
4. ঊনবিংশ শতাব্দীর রাশিয়ান চিত্রশিল্পী

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25737] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q10
2[Option ID=25738]
3[Option ID=25739]
4[Option ID=25740]

SI. No.11
QBID:19011

'গোধূলিসন্ধির নৃত্য' কবিতায় কবি চাঁদকে যার সঙ্গে তুলনা করেছেন, তা হল:

1. হীরের বিচ্ছুরণ
2. শাদা স্ফটিক
3. মেধাবিনী নারীর মুখ
4. রূপার ডিবে

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25745] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q11
2[Option ID=25746]
3[Option ID=25747]
4[Option ID=25748]

SI. No.12
QBID:19012

কবিতা সিংহ তাঁর 'আন্তিগোনে' কবিতাটি যাঁকে উৎসর্গ করেছেন, তিনি হলেন:

1. শোভা সেন
2. নটী বিনোদিনী
3. কেয়া চক্রবর্তী
4. বেগম রোকেয়া

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25749] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q12
2[Option ID=25750]
3[Option ID=25751]
4[Option ID=25752]

SI. No.13
QBID:19013

‘শ্রীকান্ত’ উপন্যাসের প্রথম পর্বে বঙ্কিমচন্দ্রের উপন্যাসের যে নারীচরিত্রের উল্লেখ আছে তিনি হলেন:

1. সূর্যমুখী
2. ভ্রমর
3. দেবী চৌধুরাণী
4. শান্তি

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25753] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q13
2[Option ID=25754]
3[Option ID=25755]
4[Option ID=25756]

SI. No.14
QBID:19014

‘পথের পাঁচালী’ উপন্যাসে অপূর দপ্তরে ঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগরের যে বইটি রক্ষিত ছিল, সেটি হল:

1. বর্ণপরিচয়
2. বোধোদয়
3. চরিতমালা
4. ভ্রান্তিবিলাস

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25757] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q14
2[Option ID=25758]
3[Option ID=25759]
4[Option ID=25760]

SI. No.15
QBID:19015

‘সংসারে এরকম অদ্ভুত মেয়ে দু-চারটা থাকে।’

‘পুতুলনাচের ইতিকথা’ উপন্যাসে যার সম্বন্ধে শশীর একথা মনে হয়েছিল সে হল:

1. কুসুম
2. কুন্দ
3. মতি
4. বিন্দুবাসিনী

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25761] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q15
2[Option ID=25762]
3[Option ID=25763]
4[Option ID=25764]

Sl. No.16
QBID:19016

'তুঙ্গভদ্রার তীরে' উপন্যাসে হরিহর ও বুদ্ধ শঙ্করমঠের যে সন্ন্যাসীর শরণাপন্ন হয়েছিলেন, তিনি হলেন:

1. বিদ্যার্ণব
2. বিদ্যাচার্য
3. বিদ্যাভট্ট
4. বিদ্যারণ্য

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25765] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q16
2[Option ID=25766]
3[Option ID=25767]
4[Option ID=25768]

Sl. No.17
QBID:19017

"ওটা তুমি কালই ফেরৎ দিয়ে এসো"

'চোর' গল্পে রেণু অমূল্যকে যে বস্তুটি ফেরত দিয়ে আসতে বলেছে, সেটি হল:

1. সরু লম্বা একটা সাবানের বাক্স
2. এক কৌটো পাউডার
3. দামী একখানা চিরুনি
4. গুটিন ম্নো

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25769] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q17
2[Option ID=25770]
3[Option ID=25771]
4[Option ID=25772]

Sl. No.18
QBID:19018

'স্বীকারোক্তি' গল্পে মায়ের সঙ্গে মামার বাড়ী যাওয়ার পথে যে-নদীতে কথক ঝড়ের মুখে পড়েছিলেন, সেটি হল:

1. ধলেশ্বরী
2. মেঘনা
3. পদ্মা
4. বুড়িগঙ্গা

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25773] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q18
2[Option ID=25774]
3[Option ID=25775]
4[Option ID=25776]

Sl. No.19
QBID:19019

“গুটা যে ফাস্টো কেলাস গো”

‘শ্রীপতি সামন্ত’ গল্পে এই কথাটি বলেছিলেন:

1. ট্রেনের গার্ড সাহেব
2. স্টেশনের বড়োবাবু
3. স্টেশনের ছোটোবাবু
4. সামন্ত মহাশয়ের ভৃত্য বাঞ্জা

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25777] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q19
2[Option ID=25778]
3[Option ID=25779]
4[Option ID=25780]

Sl. No.20
QBID:19020

‘জননী’ গল্পে কথকের ঠাকুমার মৃত্যু হয়েছিল:

1. রাস পূর্ণিমায়
2. দোল পূর্ণিমায়
3. বুলন পূর্ণিমায়
4. জন্মাষ্টমীর রাতে

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25781] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q20
2[Option ID=25782]
3[Option ID=25783]
4[Option ID=25784]

Sl. No.21
QBID:19021

‘একেই কি বলে সভ্যতা?’ নাটকে কালীনাথ ষাঁর ভ্রাতুষ্পুত্র বলে নিজের পরিচয় দেন, তাঁর নাম হল:

1. কৃষ্ণপদ ঘোষ
2. কৃষ্ণচন্দ্র ঘোষ
3. কৃষ্ণপ্রসাদ ঘোষ
4. গোবিন্দপ্রসাদ ঘোষ

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25785] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q21
2[Option ID=25786]
3[Option ID=25787]
4[Option ID=25788]

SI. No.22
QBID:19022

“পাকা আম দাঁড়কাকে খায়।”

‘জমীদার দর্পণ’ নাটকের এই সংলাপে ‘দাঁড়কাক’ যে-চরিত্রকে বলা হচ্ছে, সেই চরিত্রটি হল:

1. সিরাজ আলী
2. হায়ওয়ান আলী
3. আবু মোল্লা
4. নুরমোহর

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25789] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q22
2[Option ID=25790]
3[Option ID=25791]
4[Option ID=25792]

SI. No.23
QBID:19023

বাদল সরকারের ‘বাকি ইতিহাস’ নাটকে সতীনাথ চক্রবর্তীর আত্মহত্যার খবরটি যে-শিরোনামে খবরের কাগজে প্রকাশিত হয়েছিল, তার হল:

1. রহস্যময় আত্মহনন
2. শিক্ষকের আত্মহত্যা
3. আত্মঘাতে রহস্য
4. উদ্ভঙ্কনে আত্মহত্যা

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25793] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q23
2[Option ID=25794]
3[Option ID=25795]
4[Option ID=25796]

SI. No.24
QBID:19024

“সব হত্যাই দ্রাতৃহত্যা”-- ‘প্রথম পার্থ’ কাব্যনাট্য-এ এই সংলাপ যাঁর মুখে শোনা যায়, তিনি হলেন:

1. কৃষ্ণ
2. কর্ণ
3. কুন্তী
4. দ্রৌপদী

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25797] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q24
2[Option ID=25798]
3[Option ID=25799]
4[Option ID=25800]

SI. No.25
QBID:19025

রামমোহন রায়ের ‘সহমরণ বিষয়ক প্রবর্তক ও নিবর্তকের সম্বাদ: প্রথম প্রস্তাব’ অনুসারে ‘মম্বথবিপরীতা যা সা স্মৃতির্ন প্রশস্যতে’ বচনটি যেখান থেকে নেওয়া হয়েছে, তা হল:

1. বেদ
2. পরাশর সংহিতা
3. বৃহস্পতির স্মৃতি
4. হারীত বচন

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25801] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q25
2[Option ID=25802]
3[Option ID=25803]
4[Option ID=25804]

SI. No.26
QBID:19026

“এরা সুসিদ্ধ হয়েছে, ভোগ করতে জানে, বিলাসের সপ্তমে পোঁছেছে।” স্বামী বিবেকানন্দের ‘প্রাচ্য ও পাশ্চাত্য’ গ্রন্থ থেকে উদ্ধৃত এই বাক্যটিতে ‘এরা’ বলতে যাদের বোঝানো হয়েছে তারা হল:

1. ইংরেজ
2. ফরাসি
3. জার্মান
4. ইতালীয়

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25805] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q26
2[Option ID=25806]
3[Option ID=25807]
4[Option ID=25808]

Sl. No.27
QBID:19027

জয়হরি ঘোড়ার দর্শনে রাসসুন্দরী দাসীর লজ্জা পাওয়া প্রসঙ্গটি লেখিকার 'আমার জীবন' আত্মজীবনীটির যে-অধ্যায়ে আছে, তা হল:

1. চতুর্থ রচনা
2. পঞ্চম রচনা
3. ষষ্ঠ রচনা
4. সপ্তম রচনা

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25809] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q27
2[Option ID=25810]
3[Option ID=25811]
4[Option ID=25812]

Sl. No.28
QBID:19028

বুদ্ধদেব বসুর 'পুরানা পল্টন' রচনা থেকে জানা যায়, ছাপার অক্ষরে যখন 'প্রগতি' পত্রিকা প্রথম প্রকাশিত হয় তখন তার মলাটের রং ছিল:

1. খয়েরি
2. হরিৎ
3. আশমনি
4. পীত

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25813] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q28
2[Option ID=25814]
3[Option ID=25815]
4[Option ID=25816]

Sl. No.29
QBID:19029

'চতুরঙ্গ' উপন্যাসে জগমোহনকে পাগলা জগাই বলে যাঁরা ডাকতেন, তাঁরা হলেন তাঁর:

1. স্কুলের বন্ধুরা
2. স্কুলের ছেলেরা
3. স্কুলের শিক্ষকেরা
4. বাড়ির লোকেরা

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25817] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q29
2[Option ID=25818]
3[Option ID=25819]
4[Option ID=25820]

Sl. No.30
QBID:19030

“এখানেও তুমি জীবনদেবতা! কহিনু নয়নজলে। ”

‘চিত্রা’ কাব্যগ্রন্থের যে কবিতায় উপরের চরণটি আছে, সেটির নাম হল:

1. জীবনদেবতা
2. সাধনা
3. সিন্ধুপারে
4. অন্তর্যামী

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25821] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q30
2[Option ID=25822]
3[Option ID=25823]
4[Option ID=25824]

Sl. No.31
QBID:19031

“যাহার যথার্থ মনুষ্যত্ব আছে, সে মানুষ হইয়া দেবতার পূজা গ্রহণ করিতে লজ্জা অনুভব করে এবং যদি পূজা পায় তবে আপনাকে সেই পূজার যোগ্য করিতে চেষ্টা করে।”

‘পঞ্চভূত’ গ্রন্থে এই মন্তব্যটি যে-চরিত্রের, সে হল:

1. স্রোতস্বিনী
2. দীপ্তি
3. সমীর
4. ভূতনাথ

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25825] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q31
2[Option ID=25826]
3[Option ID=25827]
4[Option ID=25828]

Sl. No.32
QBID:19032

‘বাস্তব’ প্রবন্ধ অবলম্বনে অস্পৃশ্য অন্ত্যজের মতো যে কবির দেশ তাঁকে ঘরে ঢুকতে দেয়নি, তিনি হলেন:

1. শেলি
2. টেনিসন
3. কিটস্
4. ওয়ার্ডস্‌ওয়ার্থ

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25829] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q32
2[Option ID=25830]
3[Option ID=25831]
4[Option ID=25832]

Sl. No.33
QBID:19033

“একটি হ্রস্বদল উচ্চারণকালে কণ্ঠ থেকে যতটুকু ধ্বনি নিঃসৃত হয় তাকে বলা হয় কলা।”

বাংলা ছন্দে 'কলা'-র এই সংজ্ঞা যিনি দিয়েছিলেন, তিনি হলেন:

1. তারাপদ ভট্টাচার্য
2. অমূল্যধন মুখোপাধ্যায়
3. মোহিতলাল মজুমদার
4. প্রবোধচন্দ্র সেন

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25833] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q33
2[Option ID=25834]
3[Option ID=25835]
4[Option ID=25836]

Sl. No.34
QBID:19034

বাংলা ছন্দে 'দল' বা 'সিলেবল্' অর্থে 'পাপড়ি' কথাটি ব্যবহার করেছিলেন যিনি, তিনি হলেন:

1. রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর
2. মোহিতলাল মজুমদার
3. তারাপদ ভট্টাচার্য
4. সত্যেন্দ্রনাথ দত্ত

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25837] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q34
2[Option ID=25838]
3[Option ID=25839]
4[Option ID=25840]

Sl. No.35
QBID:19035

“নাথু-সংকটে হাঁকে তিব্বতী হাওয়া।

প্রাকৃত তিমিরে মগ্ন চুমলহরি।

ছঙ্গু-সায়রে কার বহিত্র বাওয়া

অপর্ণ বনে দিয়েছে রহস ভরি।”

প্রদত্ত কবিতাংশটির ছন্দারীতি হল:

1. মাত্রাবিন্যাসের ব্যতিক্রমসহ মিশ্র-কলাবৃত্ত
2. পঞ্চমাত্রিক মিশ্রকলাবৃত্ত
3. চতুর্মাত্রিক দলবৃত্ত
4. ষপ্তমাত্রিক কলাবৃত্ত

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25841]
2[Option ID=25842]
3[Option ID=25843]
4[Option ID=25844]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q35

Sl. No.36
QBID:19036

“ধরণী জন্মিল এথা কি পুণ্য করিয়া।

মোর বন্ধু যায় যাতে নাচিয়া নাচিয়া।।”

--এটি যে অলঙ্কারের নির্দশন, তা হল:

1. বিভাবনা
2. সমাসোক্তি
3. অপ্রস্তুত-প্রশংসা
4. অতিশয়োক্তি।

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25845]
2[Option ID=25846]
3[Option ID=25847]
4[Option ID=25848]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q36

Sl. No.37
QBID:19037

“রস আক্ষিপ্ত হয় বলে যার রচনা সম্ভব হয়েছে, যার জন্য পৃথক যত্ন করতে হয় না, তাই হচ্ছে অলঙ্কার।”-- মন্তব্যটি যিনি করেছেন, তিনি হলেন:

1. অভিনবগুপ্ত
2. ভামহ
3. বামন
4. আনন্দবর্ধন

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25849] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q37
2[Option ID=25850]
3[Option ID=25851]
4[Option ID=25852]

SI. No.38
QBID:19038

“পঞ্চম দশা দিনে নীল শাড়ি ত্যজিয়ে পহিরল অরুণাভ বাস”-- এখানে পূর্বরাগের যে দশার কথা বলা হয়েছে, সেটি হল:

1. উন্মাদ
2. জড়িমা
3. বৈয়গ্র্য
4. জাগর্য্যা

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25853] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q38
2[Option ID=25854]
3[Option ID=25855]
4[Option ID=25856]

SI. No.39
QBID:19039

যে-দেবতার জন্মকাহিনি নিয়ে দিথুরাশ কাব্য রচিত হত, তিনি হলেন:

1. বাখাস
2. আপোলো
3. দায়ানুসুস
4. জিউস

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25857] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q39
2[Option ID=25858]
3[Option ID=25859]
4[Option ID=25860]

SI. No.40
QBID:19040

প্রাচীন গ্রিসে যাঁদের গ্রামের প্রান্তবর্তী অঞ্চলকে 'কোমাই' বলে, তাঁরা হলেন:

1. দোরিয়ান
2. আথেনীয়
3. পেলোপনেশীয়
4. মেগারীয়

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25861] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q40
2[Option ID=25862]
3[Option ID=25863]
4[Option ID=25864]

Sl. No.41
QBID:19041

নীচে ব্যাকরণের আলোচ্য বিষয় অনুসরণ করে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. বর্ণনামূলক ব্যাকরণ ভাষার বিশেষ একটি সময়ের গঠন নিয়ে আলোচনা করে।
- B. স্কুলপাঠ্য ব্যাকরণগুলি হল সুসংগঠিত ঐতিহাসিক ব্যাকরণের অন্যতম নিদর্শন।
- C. ঐতিহাসিক ব্যাকরণ ভাষার কাঠামো ও তার উপকরণের বিবর্তন নিয়ে আলোচনা করে।
- D. তুলনামূলক ব্যাকরণ একাধিক ভাষার উপকরণের সাহায্য আদি ভাষার স্বরূপ নির্ধারণ করে।
- E. 'ভাষার ইতিবৃত্ত' বাংলা ভাষার একটি অন্যতম বর্ণনামূলক ব্যাকরণ বই।

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, B এবং C
2. A, C এবং D
3. A, B এবং D
4. A, B এবং E

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25865] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q41
2[Option ID=25866]
3[Option ID=25867]
4[Option ID=25868]

Sl. No.42
QBID:19042

নীচে সমাসকে অবলম্বন করে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. যে সমাসে সমাসবন্ধপদে উপমানের ধর্ম উপমেয়ে প্রকাশ পায় তাকে বলে উপমান কর্মধারয়।
- B. যে সমাসের পূর্ব পদ সংখ্যাবাচক, পরপদের অর্থই প্রধান এবং সমাসবন্ধ পদটি সমষ্টি-অর্থ প্রকাশ করে তাকে বলে দ্বিগু সমাস।
- C. যে সমাসে উপমান উপমেয়ের মধ্যে সাদৃশ্য নেই কিন্তু এদের মধ্যে কোনো গুণের কথা ভেবে তারপর উপমা করা হয় তাকে বলে সাধারণ কর্মধারয়।
- D. যে সমাসে উপমান উপমেয়ে সাদৃশ্য থাকে এবং অভিন্ন হিসেবে প্রতিফলিত হয় তাকে বলে রূপক কর্মধারয়।
- E. যে সমাসে সমাসবন্ধ পদে পূর্ব পদ উপসর্গ এবং তারই অর্থ প্রধান তাকে উপপদ তৎপুরুষ বলে।

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, B এবং C
- 2. A, B এবং D
- 3. B, C এবং D
- 4. A, C এবং E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25869]
2[Option ID=25870]
3[Option ID=25871]
4[Option ID=25872]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q42

SI. No.43
QBID:19043

কাশীরাম দাসের মহাভারতের পাঠ্য অংশ অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. ছদ্মবেশী পাণ্ডবদের মধ্যে অর্জুনকে দেখে বিরাট রাজের মনে হয়েছিল 'ভূতনাথ অঙ্গে যেন ভস্ম আচ্ছাদিল'।
- B. জনমেজয়কে মহাভারত শুনিয়েছিলেন স্বয়ং ব্যাসদেব।
- C. রুরুর অভিশাপে ডুগুডুভ সাপে পরিণত হয়েছিলেন।
- D. কুরুক্ষেত্র যুদ্ধের প্রাক্কালে সহদেব যে শঙ্খটি বাজিয়েছিলেন তার নাম মণিপুষ্প।
- E. বিরাট-তনয় উত্তর নিহত হয়েছিলেন কুরুক্ষেত্র যুদ্ধের দ্বিতীয় দিনে।

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, B এবং C
- 2. A, D এবং E
- 3. B, C এবং D
- 4. C, D এবং E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25873]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q43

2[Option ID=25874]

3[Option ID=25875]

4[Option ID=25876]

SI. No.44

QBID:19044

শ্রীশ্রীচৈতন্যচরিতামৃত'র মধ্যলীলা অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- গোপীনাথ মাধবেন্দ্রপুরীকে নীলাচল থেকে মলয়জ চন্দন আনতে স্বপ্নাদেশ দিয়েছিলেন।
- সাক্ষীগোপাল আখ্যানে ছোটো বিপ্র স্ত্রী লাভের আশায় বড়ো বিপ্রের সেবা যত্ন করেছিলেন।
- চৈতন্যকে রায় রামানন্দের সঙ্গে দেখা করতে অনুরোধ করেছিলেন বাসুদেব সার্বভৌম।
- মল্লিকার্জুন তীর্থে এসে চৈতন্য মহাদেব দর্শন করেছিলেন।
- মধ্যলীলার একাদশ পরিচ্ছেদের বর্ণনীয় বিষয় চৈতন্যের হেরোপঞ্চমী-যাত্রা-দর্শন।

প্রদত্ত সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ সেটি হল:

- A, B এবং C
- B, D এবং E
- A, C এবং D
- B, C এবং E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25877]

2[Option ID=25878]

3[Option ID=25879]

4[Option ID=25880]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q44

SI. No.45

QBID:19045

'অন্নদামঙ্গল' কাব্যের দশমহাবিদ্যার বিভিন্ন রূপের বর্ণনা নীচে দেওয়া হল:

- ত্রিনয়ন অর্ধচন্দ্র ললাটে উজ্জ্বল।
- ত্রিলোচনা অর্ধচন্দ্র কপালফলকে।
- রক্তবর্ণা ত্রিনয়না ভালে সুধাকর।
- ত্রিনয়ন অর্ধচন্দ্র ললাটে বিলাসে।
- অর্ধচন্দ্র কপালফলকে সুশোভন।

নীচের সংকেত থেকে ঠিক ক্রমের শুদ্ধ বিকল্পটি হল:

- D, C, A, E, B
- B, D, A, B, C
- C, A, D, E, B
- B, D, A, E, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25881] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q45
2[Option ID=25882]
3[Option ID=25883]
4[Option ID=25884]

Sl. No.46
QBID:19046

নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- অমিয় চক্রবর্তীর প্রথম কাব্যগ্রন্থের নাম 'একমুঠো'।
- 'একমুঠো' কাব্যগ্রন্থের একটি কবিতা 'চেতন স্যাকরা'।
- 'অভিজ্ঞান বসন্ত' কাব্যগ্রন্থের একটি কবিতা 'সংগতি'।
- 'আমার পৃথিবী/এইখানে শেষ' লাইন দুটি 'বড়োবাবুর কাছে নিবেদন' কবিতার অংশ।
- 'বিনিময়' কবিতাটি পাওয়া যাবে 'পারাপার' কাব্যগ্রন্থে।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, B এবং D
2. A, B এবং E
3. B, C এবং E
4. B, C এবং D

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25885] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q46
2[Option ID=25886]
3[Option ID=25887]
4[Option ID=25888]

Sl. No.47
QBID:19047

'মেঘনাদবধ কাব্য' অবলম্বনে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- 'রাজ কাজ সাধি যথা, বিরাম-মন্দিরে,' --- এটি অষ্টম সর্গের প্রথম পংক্তি।
- 'আতঙ্কে কনক-লক্ষ্মা জাগিলা সে রবে' --- এটি ষষ্ঠ সর্গের শেষ পংক্তি।
- 'অস্ত্রে গেলা দিনমণি; আইলা গোধূলি, ---' এটি দ্বিতীয় সর্গের প্রথম পংক্তি।
- 'পুরিল কনক-লক্ষ্মা জয় জয় রবে।' --- এটি দ্বিতীয় সর্গের শেষ পংক্তি।
- 'উদীলা আদিত্য এবে উদয়-অচলে,' --- এটি তৃতীয় সর্গের প্রথম পংক্তি।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, B এবং C
2. B, C এবং D
3. C, D এবং E
4. A, D এবং E

- (1) 1
- (2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25889] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q47
2[Option ID=25890]
3[Option ID=25891]
4[Option ID=25892]

SI. No.48
QBID:19048

নীচে জীবনানন্দ দাশের কবিতা-সম্পর্কিত কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. 'হায় চিল' কবিতাটি প্রথম প্রকাশিত হয় 'কবিতা' পত্রিকায়।
- B. 'শিকার' কবিতাটি প্রথম প্রকাশিত হয় 'পূর্বাশা' পত্রিকায়।
- C. 'বোধ' কবিতাটি প্রথম প্রকাশিত হয় 'প্রগতি' পত্রিকায়।
- D. 'গোধূলিসন্ধির নৃত্য' কবিতাটি প্রথম প্রকাশিত হয় 'পরিচয়' পত্রিকায়।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, C এবং D
- 2. A, B এবং C
- 3. B, C এবং D
- 4. A, B এবং D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25893] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q48
2[Option ID=25894]
3[Option ID=25895]
4[Option ID=25896]

SI. No.49
QBID:19049

'হুতোম প্যাঁচার নকশা' অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. সমরভেকেসনে কালেজ বন্দ হয়েচে--স্কুলমাস্টারেরা দেশে গিয়ে লাঙ্গল ধরে চাসবাস্ আরম্ভ করেচেন।
- B. শান্তিপুরওয়ালারা পাঁচ লক্ষ টাকা খরচ করে যে বারোইয়ারী পূজো করেছিল, সেখানে প্রতিমেখানি ষাট হাত উঁচু হয়েছিল।
- C. চকবাজারের বাবু প্যালানাথ ১২১৯ সালে সারবরণ সাহেবের কাছে তিনমাস মাত্র ইংরেজি শিখেছিলেন।
- D. রাজবল্লভ সেন বাবুর সুপারিশে এক বড় মানুষের বাড়ির পাচক ব্রাহ্মণ 'পণ্ডিত মহাশয়' হয়েছিলেন।
- E. ১১১২ সালে নাউপাড়া মুন্সুলীর মিত্তিরদের বাড়িতে বাবু পদ্মলোচনের জন্ম।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, B এবং C
- 2. B, C এবং E
- 3. A, B এবং E
- 4. B, C এবং D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25897] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q49

2[Option ID=25898]

3[Option ID=25899]

4[Option ID=25900]

Sl. No.50

QBID:19050

‘বিষবৃক্ষ’ উপন্যাস অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. “এতদূরে বিষবৃক্ষের বীজ বপন হইল”-- এই কথাটি আছে উপন্যাসের সপ্তম পরিচ্ছেদে।
- B. নগেন্দ্র জমিদারি ভদ্রাসন স্থাবর সম্পত্তি কমলমণিকে দানপত্রের দ্বারা লিখে দেবেন ভেবেছিলেন।
- C. গ্রামবালকেরা জমিদারবাড়ির যে যে দ্বারবানদের নিয়ে ছড়া বেঁধেছিল, তাদের মধ্যে আছে রামচরণ দোবে, লালচাঁদ সিং।
- D. ‘হীরার বিষবৃক্ষ মুকুলিত’ হয়েছিল উপন্যাসের ষটত্রিংশতম পরিচ্ছেদে।
- E. হীরা তার আয়িকে কামারঘাটা কুটুম্ববাড়ি পাঠিয়েছিল বিংশ পরিচ্ছেদে।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, B এবং D
2. A, C এবং D
3. C, D এবং E
4. B, C এবং E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25901] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q50

2[Option ID=25902]

3[Option ID=25903]

4[Option ID=25904]

Sl. No.51

QBID:19051

‘পথের পাঁচালী’ উপন্যাস অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. বাংলা ১২৩৮ সালে বীরু রায় সপরিবারে নৌকাযোগে হলুদবেড়ে থেকে ফিরছিলেন।
- B. নালতাকুড়ির জেল থেকে মতি হাজারার ভাই এক হাঁড়ি সেকেলে আমলের টাকা পেয়েছিল।
- C. হরিহর অপূর জন্য ছয় আনা মূল্যে ‘সচিত্র চণ্ডী মাহাত্ম্য বা কালকেতুর উপাখ্যান’ কিনেছিলেন।
- D. আশুতোষ পালের দলে পার্ট করে অজয় চল্লিশ টাকা জমিয়েছিল।
- E. অপু যে নাটক লিখেছিল সেখানে ছিল সরোজ-সরোজিনীর কথা।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, B এবং C
- 2. A, B এবং D
- 3. B, C এবং D
- 4. B, C এবং E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25905]
2[Option ID=25906]
3[Option ID=25907]
4[Option ID=25908]

Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q51

Sl. No.52
QBID:19052

মহাশ্বেতা দেবীর ‘দ্রৌপদী’ ও ‘জাতুধান’ গল্প অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. সোমাই ও বুধনাকে কথক বলেছেন শিয়নডাঙার মার্কিন সৈন্যদের উপহার টুওআর্ডস রাতভূমি।
- B. দ্রৌপদীর নামকরণ করেছিল সূর্য সাহুর মা।
- C. অপারেশন বাকুলির পর স্থির হয়েছিল যে দুলন্ আর দোপ্দি কাজ করবে ঝাড়খানী বেলেটর আশেপাশে।
- D. প্রতি বছর মাতং সাজুয়াদের নিয়ে যেত রাতদেশে ধান চষতে।
- E. গল্পের শেষে সাজুয়া সপরিবারে চলে গিয়েছিল বেলাটিতে।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, B এবং C
- 2. B, D এবং E
- 3. A, C এবং D
- 4. C, D এবং E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25909]
2[Option ID=25910]

Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q52

3[Option ID=25911]
4[Option ID=25912]

SI. No.53
QBID:19053

উলটপুরাণ গল্প থেকে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য নীচে দেওয়া হল:

- A. নিখিল ব্রিটিশ-নারী বাহিনীর শোভাযাত্রার সূচনাস্থল স্থির হয়েছিল রিজেন্ট পার্ক।
- B. রাজসূয় যজ্ঞ নির্বিঘ্নে সম্পন্ন হওয়ার সংবাদ প্রকাশিত হয়েছিল 'রাষ্ট্রবিৎ' পত্রিকায়।
- C. মিসেস টোডি জোসনার পরামর্শে সিগারেটের বদলে দোক্তা খাওয়া আরম্ভ করেছিলেন।
- D. ফ্লফির জিভের জড়তা কাটানোর জন্য তার শিক্ষয়িত্রী তাকে ছোলাভাজা খাওয়ানোর পরামর্শ দিয়েছিলেন।
- E. আশ্বিন মাসে হাগ শহরে বিরাট রাজসূয় যজ্ঞের আয়োজন হয়েছিল।

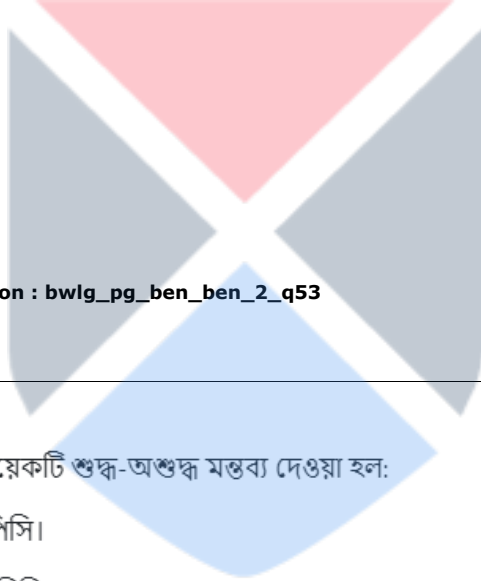
প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, B এবং E
- 2. B, C এবং D
- 3. A, B এবং D
- 4. C, D এবং E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25913]
2[Option ID=25914]
3[Option ID=25915]
4[Option ID=25916]

Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q53



SI. No.54
QBID:19054

'পদিপিসির বর্মিবান্ধ' গল্প অনুসরণে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. পদিপিসি সম্পর্কে পাঁচুমামার ঠাকুরদার পিসি।
- B. গল্পের কথক গজার বৃত্তান্ত শুনেছিল তার দিদিমার কাছে।
- C. কথক ট্রেনে যেতে যেতে রাত্রে পদিপিসিকে স্বপ্নে দেখেছিল।
- D. নিমাইসর্দারের দলের ডাকাতরা গাড়েয়ানকে নগদ চারটে পয়সা ঘুষ দিয়েছিল।
- E. স্বর্গে যাওয়ার আগে পদিপিসির ফিক করে হাসার কারণটা সকলে আগেই বুঝেছিল গজার বাবুয়ানি দেখে।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, C এবং E
- 2. B, C এবং E
- 3. A, B এবং D
- 4. B, D এবং E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25917] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q54
2[Option ID=25918]
3[Option ID=25919]
4[Option ID=25920]

SI. No.55
QBID:19055

নীচে "সাহাজান" নাটক থেকে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. যশোবন্ত সিংহের স্ত্রীর নাম ছিল মহামায়া।
- B. দারার পুত্র সুলতান সুজার বিরুদ্ধে যুদ্ধে যোগ দিয়েছিলেন।
- C. দারার প্রাণদণ্ডের আজ্ঞা পালন করে জিহন খাঁ।
- D. সুজার পুত্রের নাম হল সিপার।
- E. কাশ্মীরের মহারাজার নাম হল পৃথ্বীসিংহ।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, C এবং D
- 2. B, C এবং E
- 3. B, D এবং E
- 4. A, C এবং E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25921] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q55
2[Option ID=25922]
3[Option ID=25923]
4[Option ID=25924]

SI. No.56
QBID:19056

নীচে 'নবান্ন' নাটক থেকে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. যুদ্ধিষ্ঠির রতনগঞ্জ থেকে ঘোড়ায় করে ফিরেছিল।
- B. রহমৎউল্লাকে মোরগের লড়াইয়ের বাজি জেতার জন্য উপহার দেওয়া হয়েছিল একখানা গামছা ও একখানা কাশ্বে।
- C. পায়ে পট্টি জড়ানো, মাথায় পাগড়ি আর গায়ে কোট পরা জনৈক কম্পাউন্ডার গোছের লোক চিকিৎসাকেন্দ্রে জনতার খবরদারি করছিল।
- D. হারু দত্তের পুরো নাম হারানচন্দ্র দত্ত।
- E. দ্বিতীয় ভদ্রলোক নিজের নাতির অন্নপ্রাশনে কেটে ছেঁটে শ-আষ্টক লোককে নিমন্ত্রণ করেছিল।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, B এবং D
- 2. B, C এবং E
- 3. A, D এবং E
- 4. B, C এবং D

- (1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25925] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q56
2[Option ID=25926]
3[Option ID=25927]
4[Option ID=25928]

Sl. No.57
QBID:19057

‘প্রথম পার্থ’ কাব্যনাট্য অবলম্বনে নিচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. ‘প্রথম পার্থ’ কাব্যনাট্যের প্রথম সংলাপটি উচ্চারণ করেন কুন্তী।
- B. ‘প্রথম পার্থ’ নাটকের শেষ সংলাপটি বলেন দ্বিতীয় বৃদ্ধ।
- C. নাট্যঘটনার স্থান সরযু তীরবর্তী এক বনভূমি।
- D. কর্ণের অপর নাম বৈকর্তন।
- E. কুমারী কুন্তীকে বর দিয়েছিলেন ঋষি দুর্বাসা।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- 1. A, B এবং E
- 2. B, C এবং E
- 3. B, C এবং D
- 4. B, D এবং E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25929] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q57
2[Option ID=25930]
3[Option ID=25931]
4[Option ID=25932]

Sl. No.58
QBID:19058

নীচে বঙ্কিমচন্দ্রের 'শকুন্তলা, মিরন্দা এবং দেসদিমোনা' প্রবন্ধ অনুসরণ করে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. মিরন্দা অকপট, লজ্জা-সংস্কারশূন্য। এই অর্থে সে শকুন্তলার চেয়েও পবিত্র। কেননা লজ্জার অন্তঃসার যে পবিত্রতা তার অভাব নেই মিরন্দার
- B. "আমার দান সাগরতুল্য অসীম, আমার ভালবাসা সেই সাগরতুল্য গভীর।" এই সংলাপটি মিরন্দা চরিত্রের বলে উল্লেখিত হয়েছে প্রবন্ধে।
- C. দেশভেদে, কালভেদে চরিত্রের কেবল বাহ্যভেদ হয়। এরকমই প্রবন্ধে বলতে চেয়েছেন বঙ্কিমচন্দ্র।
- D. স্বামীর অবিচার সত্ত্বেও তাঁর প্রতি দেসদিমোনার অবিচল ভক্তি যদি সতীত্বের লক্ষণ ধরা হয়, তাহলে শকুন্তলা দেসদিমোনাতুল্য 'সতী' নয়।
- E. শেঞ্জাপিয়রের কোনো নাটকই 'শকুন্তলা'র মতো 'উপাখ্যান কাব্য' নয়।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, B এবং C
2. B, C এবং D
3. C, D এবং E
4. A, C এবং D

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25933]
2[Option ID=25934]
3[Option ID=25935]
4[Option ID=25936]

Question Description : bwlpg_ben_ben_2_q58

SI. No.59
QBID:19059

নীচে বুদ্ধদেব বসুর 'উত্তরতিরিশ' ও 'রবীন্দ্রনাথ ও উত্তরসাধক' প্রবন্ধদুটি অনুসরণ করে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. ফ্রান্সিস টমসনকে উল্লেখ করে লেখক বলেছেন, শিশুর দুঃখ যত ছোট, শিশু কিন্তু তত ছোটো নয়।
- B. লেখকের মতে 'স্বভাবকবি' বলতে তাঁদের বোঝায়, যাঁদের মনের সংসারে হৃদয়ের সঙ্গে বুদ্ধিবৃত্তির সতিনসম্বন্ধ নয়।
- C. ঈশ্বর যেন তাঁকে তাড়াতাড়ি বুড়ো করে দেন এই ছিল লেখকের একসময়ের প্রার্থনা।
- D. বিদ্রোহী কবি কাজী নজরুল ইসলামের বিদ্রোহটা ঠিক 'সাহিত্যিক বিদ্রোহ' বলে মনে করেননি লেখক।
- E. 'উত্তরতিরিশ' বলতে লেখক বুঝিয়েছেন তিরিশ আর চল্লিশের মাঝামাঝি বয়সকাল।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, B এবং C
2. B, C এবং D
3. C, D এবং E
4. D, E এবং A

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3

(4) 4

1[Option ID=25937] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q59
2[Option ID=25938]
3[Option ID=25939]
4[Option ID=25940]

SI. No.60
QBID:19060

নীচে অবনীন্দ্রনাথ ঠাকুরের 'বাগেশ্বরী শিল্প প্রবন্ধাবলী' গ্রন্থের পাঠ্যপ্রবন্ধগুলি অনুসরণ করে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. মিলেটের উক্তি যে-প্রবন্ধটির প্রায় সূচনাতেই উদ্ধৃত করা হয়েছে সেটি হল 'শিল্পে অনধিকার'।
B. মস্মটভট্টের উদ্ধৃতিযোগে শেষ হচ্ছে যে-প্রবন্ধ তার নাম 'শিল্পে অধিকার'।
C. "The scene which the light brings before our eyes..."। 'দৃষ্টি ও সৃষ্টি' প্রবন্ধে উল্লিখিত এই উদ্ধৃতিটি নেওয়া হয়েছে গ্যেটে থেকে।
D. চৈতন্যদেবের 'শিক্ষাষ্টক' থেকে গৃহীত 'ন ধনং ন জনং' শ্লোকটি পাওয়া যাবে 'সৌন্দর্যের সন্ধান' প্রবন্ধটিতে।

প্রদত্ত সংকেতের যেটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, B এবং C
2. B, C এবং D
3. C, D এবং A
4. A, B এবং D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25941] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q60
2[Option ID=25942]
3[Option ID=25943]
4[Option ID=25944]

SI. No.61
QBID:19061

নীচে 'নবজাতক' কাব্যগ্রন্থের কয়েকটি কবিতার নাম দেওয়া হল:

- A. আহ্বান
B. সন্ধ্যা
C. প্রায়শ্চিত্ত
D. বুদ্ধভক্তি
E. জবাবদিহি

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি কবিতায় যুদ্ধের প্রসঙ্গ আছে, সেটি হল:

1. A, B এবং D
2. A, C এবং D
3. B, C এবং E
4. A, D এবং E

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25945]
2[Option ID=25946]
3[Option ID=25947]
4[Option ID=25948]

Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q61

Sl. No.62
QBID:19062

নীচে 'পঞ্চভূত' গ্রন্থের 'মনুষ্য' প্রবন্ধ থেকে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- সমীর মনে করে যে ভূতনাথের ডায়ারির মানুষরা কেবল বড়ো বড়ো ভালো ভালো কথা বলে, কিন্তু তাদের আকার-আয়তন নেই।
- সাহিত্যের বিষয় এবং ভঙ্গির মধ্যে কোনটা শ্রেষ্ঠ সেটা বিচারের সময় ক্ষিতি বোঝবার চেষ্টা করে কোনটা বেশি রহস্যময়।
- দীপ্তি মনে করে, মনের চরিত্রের আকৃতিটাই আমাদের স্টাইল।
- হিন্দুস্তানি বেহারা নিহরের কথা স্মরণ করেছে স্রোতস্বিনী।
- আমি যে তৃণ এমন দীনতা আমি কখনও স্বপ্নেও অনুভব করি না- এই মন্তব্যটি করেছে ব্যোম।

নীচের সংকেতে যে বিকল্পটিতে সবকটি উত্তর শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, C এবং D
2. A, B এবং D
3. B, D এবং E
4. A, C এবং E

(1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25949]
2[Option ID=25950]
3[Option ID=25951]
4[Option ID=25952]

Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q62

Sl. No.63
QBID:19063

নীচে ছান্দসিক প্রবোধচন্দ্র সেনের কয়েকটি ছন্দ-বিষয়ক বইয়ের উল্লেখ করা হল:

- ছন্দজিজ্ঞাসা
- ছন্দপরিক্রমা
- বাংলা ছন্দে রবীন্দ্রনাথের দান
- ছন্দসোপান
- ছন্দোপুরু রবীন্দ্রনাথ

নীচের সংকেতে বইগুলির প্রথম প্রকাশের শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

1. B, D, A, E, C
2. E, C, A, D, B
3. C, E, B, A, D
4. D, B, E, C, A

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25953] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q63
2[Option ID=25954]
3[Option ID=25955]
4[Option ID=25956]

SI. No.64
QBID:19064

নীচে 'উজ্জ্বলনীলমণি' অবলম্বনে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- A. শ্রীরাধার প্রতি শ্রীকৃষ্ণের যে অনুরক্তি তাকে অনুকূল বলা চলে।
B. যে নায়ক নায়িকার সম্মুখে প্রিয়ভাষী হন এবং পরোক্ষে অপ্রিয় ব্যবহার করেন, তিনি ধৃষ্ট।
C. অনেক নায়িকাতে তুল্যভাব বহনকারী নায়ককেও 'দক্ষিণ' নায়ক বলে।
D. অন্য যুবতীর ভোগচিহ্ন ব্যক্ত হলেও যে নায়ক মিথ্যাব্যাক্যবিন্যাসে দক্ষ, তিনি শঠ।

প্রদত্ত সংকেতগুলির যেটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A এবং B শুদ্ধ
2. B এবং C শুদ্ধ
3. C এবং D শুদ্ধ
4. A এবং C শুদ্ধ

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25957] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q64
2[Option ID=25958]
3[Option ID=25959]
4[Option ID=25960]

SI. No.65
QBID:19065



নীচে আরিস্টটলের 'পোয়েটিক্স' থেকে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

A. ট্রাজেডির ষড়ঙ্গের মধ্যে সবচেয়ে প্রীতিকর উপাদান হল দৃশ্য।

B. আদর্শ কাহিনিতে থাকবে একটি কথাবস্তু, দুটি নয়।

C. প্রথমে কবিরা অল্প কয়েকটি পরিবারকে কেন্দ্র করেই ট্রাজেডি রচনা করতেন, কিন্তু বর্তমানে শ্রেষ্ঠ ট্রাজেডিগুলিতে কবিরা যেকোনো কাহিনিই গ্রহণ করেন।

D. যদিও এউরিপিদেস প্রযোজনার ব্যাপারে অতি নিকৃষ্ট, তবু তিনিই নিঃসন্দেহে ট্রাজেডির কবিদের মধ্যে শ্রেষ্ঠ।

E. ট্রাজেডির ক্রমবিকাশে তার নানা পরিবর্তন ঘটেছে, তারপর তার প্রকৃত স্বভাবটি যখন বোঝা গেছে তখন তার পরিবর্তনের গতি স্তব্ধ হয়েছে।

নীচের সংকেতে সবকটি শুদ্ধ মন্তব্যের ঠিক বিকল্পটি হল

1. A, B এবং E
2. B, C এবং D
3. B, D এবং E
4. A, C এবং D

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25961]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q65

2[Option ID=25962]

3[Option ID=25963]

4[Option ID=25964]

SI. No.66

QBID:19066

নীচে প্রথম তালিকায় কয়েকটি ভাষার নাম এবং দ্বিতীয় তালিকায় কয়েকটি শব্দ উল্লেখ করা হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. প্রাচীন ভারতীয় আর্য	i. আন্দি
B. প্রাকৃত	ii. অমহে
C. প্রাচীন বাংলা	iii. অস্মাভি:
D. মধ্য বাংলা	iv. অমহাহি

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - ii, B - i, C - iii, D - iv
2. A - iii, B - iv, C - ii, D - i
3. A - ii, B - iv, C - i, D - iii
4. A - iv, B - i, C - iii, D - ii

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25965]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q66

2[Option ID=25966]

3[Option ID=25967]

4[Option ID=25968]

SI. No.67

QBID:19067

চণ্ডীমঙ্গলের 'বণিকখণ্ড' অনুসরণে দেবী চণ্ডীকে যাঁরা যে যে অস্ত্র প্রদান করেছিলেন তা নীচে যথাক্রমে প্রথম ও দ্বিতীয় তালিকায় দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. বিশ্বকর্মা	i. অক্ষয়মালা
B. জলেশ্বর	ii. নাগপাশ
C. ধাতা	iii. শঙ্খ
D. দক্ষ	iv. টাঙ্গি
E. অম্বুবতী	v. কমুণ্ডল

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - iv, B - iii, C - v, D - i, E - ii
2. A - iii, B - iv, C - v, D - ii, E - i
3. A - ii, B - iv, C - v, D - i, E - iii
4. A - v, B - iii, C - ii, D - i, E - iv

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25969]

2[Option ID=25970]

3[Option ID=25971]

4[Option ID=25972]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q67

SI. No.68

QBID:19068



প্রথম তালিকায় পাঁচটি কবিতা-পংক্তি এবং দ্বিতীয় তালিকায় পাঁচজন কবির নাম দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. বন হতে এল এক টিয়ে মনোহর	i. কামিনী রায়
B. গিয়াছে ভাঙিয়া সাধের বীণাটি	ii. বিষ্ণু দে
C. দেয়ালির আলো মেখে নক্ষত্র গিয়েছে পুড়ে কাল সারারাত	iii. সমর সেন
D. তোমরা নবীন, এ উদাস / বিষাদ কি তোমাদেরও চেনা?	iv. ঈশ্বরচন্দ্র গুপ্ত
E. তুমি কি আসবে আমাদের মধ্যবিন্ত রক্তে	v. শক্তি চট্টোপাধ্যায়

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - iv, B - i, C - v, D - ii, E - iii
2. A - i, B - iv, C - ii, D - v, E - iii
3. A - iv, B - ii, C - i, D - iii, E - v
4. A - v, B - iv, C - ii, D - i, E - iii

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25973]
2[Option ID=25974]
3[Option ID=25975]
4[Option ID=25976]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q68

Sl. No.69
QBID:19069



'তিতাস একটি নদীর নাম' উপন্যাস অবলম্বনে কয়েকজন বক্তা ও তাদের উচ্চারিত প্রবচন যথাক্রমে প্রথম ও দ্বিতীয় তালিকায় দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. সুবলার বউ	i. 'যা বেটা যা, পাহাড়ে যা, পর্বতে যা, বড় বড় বিরিক্ষের সনে যুদ্ধ কইরা যা!'
B. অনন্তবালা	ii. 'কি গ বিন্দাবনের নারী, কোন্ কালোচোরা লড়দা গেছে মাইরা বাঁশির বাড়ি'
C. লবচন্দ্রের বউ	iii. 'মানুষের কুটুম আসা-যাওয়ায় আর গরুর কুটুম লেহনে পুছনে'
D. মঙ্গলার বউ	iv. 'তীর্থে মধ্য কাশী হাটের মধ্য মাসী'

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - ii, B - iv, C - i, D - iii
2. A - iii, B - iv, C - i, D - ii
3. A - iv, B - iii, C - ii, D - i
4. A - iii, B - i, C - iv, D - ii

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25977]
2[Option ID=25978]
3[Option ID=25979]
4[Option ID=25980]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q69

Sl. No.70
QBID:19070

পাঠ্য গল্প অনুসরণে প্রথম তালিকায় কয়েকটি বৃষ্টির প্রসঙ্গ এবং দ্বিতীয় তালিকায় গল্পের নাম দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. তিনদিন ধরে বৃষ্টি আর বৃষ্টি। বিশ্বাসই হয় না যে এটা শীতকাল	i. ইঁদুর
B. আকাশে মেঘ ঘুরে ঘুরে ফেরে। চেপে বৃষ্টি হয় না	ii. গরম ভাত অথবা নিছক ভূতের গল্প
C. জগৎ সংসার ভাসানো বৃষ্টিই বটে। উঠোনটা জলে থই থই করছিল	iii. মতিলাল পাদরী
D. ভিজে জলে থই থই করতে থাকে দালান। উঠোনে জল দাঁড়িয়ে যায়।	iv. জাতুধান
E. এখন আষাঢ় মাস। ভারী ঝড়, ভারী জল	v. শহীদের মা

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - iii, B - i, C - iv, D - v, E - ii
2. A - iv, B - i, C - v, D - iii, E - ii
3. A - ii, B - iv, C - v, D - i, E - iii
4. A - iii, B - v, C - i, D - ii, E - iv

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=25981] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q70
 2[Option ID=25982]
 3[Option ID=25983]
 4[Option ID=25984]

Sl. No.71
 QBID:19071

'টিনের তলোয়ার' নাটকের সাত নম্বর দৃশ্যে যখন 'সধবার একাদশী' অভিনীত হয়, সেখানে 'টিনের তলোয়ার' নাটকেরই যে সমস্ত চরিত্র অভিনয় করেছিল তাদের নাম নীচের প্রথম তালিকায় এবং অভিনীত চরিত্রগুলির নাম দ্বিতীয় তালিকায় দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. জলদ	i. নিমচাঁদ
B. হরবল্লভ	ii. অটল
C. যদুগোপাল	iii. কেনারাম
D. বেণীমাধব	iv. ভোলানাথ
E. গোবর	v. রামমাণিক্য

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - iii, B - ii, C - iv, D - v, E - i
2. A - ii, B - iv, C - v, D - i, E - iii
3. A - i, B - iii, C - iv, D - v, E - ii
4. A - iv, B - ii, C - iii, D - v, E - i

- (1) 1
- (2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25985] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q71
2[Option ID=25986]
3[Option ID=25987]
4[Option ID=25988]

Sl. No.72
QBID:19072

স্বামী বিবেকানন্দের 'প্রাচ্য ও পাশ্চাত্য' গ্রন্থের 'শরীর ও জাতিতত্ত্ব' অধ্যায় অনুসরণে নীচের প্রথম তালিকায় কয়েকটি জাতির নাম এবং দ্বিতীয় তালিকায় তার থেকে কয়েকটা বিবৃতি উল্লেখ করা হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. 'চীন' জাতি	i. ভারতবর্ষের উত্তর-পশ্চিমাংশে রাজত্ব করেছিল।
B. 'দরদু' জাতি	ii. অশোকের পালিলেখে 'যোন' নামে অভিহিত হয়েছিল।
C. 'হুন' জাতি	iii. কাশ্মীরের উত্তর-পূর্ব ভাগে অবস্থান করত।
D. 'গ্রীক' জাতি	iv. ভারত ও আফগানিস্তানের মধ্যে ছিল।

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - ii, B - iv, C - i, D - iii
2. A - ii, B - iii, C - iv, D - i
3. A - iii, B - iv, C - i, D - ii
4. A - iv, B - i, C - ii, D - iii

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=25989] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q72
2[Option ID=25990]
3[Option ID=25991]
4[Option ID=25992]

Sl. No.73
QBID:19073

নীচে প্রথম তালিকায় 'জীবনস্মৃতি' গ্রন্থ থেকে কয়েকজন ব্যক্তির নাম অথবা সম্বোধন এবং দ্বিতীয় তালিকায় তাঁদের সম্পর্কে মন্তব্য দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. গোবিন্দবাবু	i. তাঁহাকে কোনো অত্যাচারকারী দুর্বৃত্ত আঘাত করিতে পারিত না। অপমানের চেষ্টা তাঁহার উপরে অপমান রূপে আসিয়া পড়িত না।
B. শ্রীকণ্ঠবাবু	ii. একেবারে গোড়া হইতেই যথাসাধ্য সংস্কৃত রচনাকার্যে তিনি আমাকে উৎসাহিত করিতেন।
C. পিতৃদেব	iii. অনেক ইতিহাস তিনি বাংলায় লিখিতে আরম্ভ করিয়া অসমাপ্ত রাখিয়া গিয়াছেন।
D. ফাদার হেনরি	iv. কালো চাপকান পরিয়া দোতলায় আপিসঘরে খাতাপত্র লইয়া লেখাপড়া করিতেন। ইঁহাকে আমরা ভয় করিতাম। ইনিই ছিলেন বিদ্যালয়ের দণ্ডধারী বিচারক।
E. গণদাদা	v. সে-সময় আর-একজন প্রাচীন অধ্যাপক ছিলেন, তাঁহাকে ছাত্রেরা বিশেষ ভালোবাসিত। ... তিনি উপরের ক্লাসে পড়াইতেন, তাঁহাকে আমি ভালো করিয়া জানিতাম না।

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরের বিকল্পটি হল:

1. A - iv, B - ii, C - i, D - v, E - iii
2. A - iv, B - i, C - ii, D - v, E - iii
3. A - v, B - iii, C - ii, D - iv, E - i
4. A - v, B - iv, C - i, D - iii, E - ii

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

- 1[Option ID=25993]
- 2[Option ID=25994]
- 3[Option ID=25995]
- 4[Option ID=25996]

Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q73

SI. No.74
QBID:19074

নীচের প্রথম তালিকায় একটি বিশেষ ছন্দরীতির নাম এবং দ্বিতীয় তালিকায় সেই নামের কোনো না কোনো সময়ের প্রস্তাবকদের নাম দেওয়া হল:

তালিকা 1	তালিকা 2
A. প্রাকৃতরীতির ছন্দ	i. তারাপদ ভট্টাচার্য
B. কথ্যভাষানির্ভর পর্বভূমক অক্ষরবৃত্ত	ii. রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর
C. স্বরবৃত্ত	iii. মোহিতলাল মজুমদার
D. বলবৃত্ত	iv. প্রবোধচন্দ্র সেন

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - ii, B - i, C - iv, D - iii
2. A - iii, B - iv, C - i, D - ii
3. A - iv, B - i, C - ii, D - iii
4. A - ii, B - iii, C - iv, D - i

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=25997] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q74
2[Option ID=25998]
3[Option ID=25999]
4[Option ID=26000]

Sl. No.75
QBID:19075

নীচে প্রথম তালিকায় কয়েকটি চরণ এবং দ্বিতীয় তালিকায় যতিলোপের উল্লেখ করা হল :

তালিকা 1	তালিকা 2
A. একদিন এই দেখা হয়ে যাবে শেষ	i. লঘুযতি লোপ
B. ধীরে ধীরে শব্দী হয় অবসান	ii. উপযতি লোপ
C. নিজহস্তে নির্দয় আঘাত করি পিত:	iii. অণুযতি লোপ
D. দুঃখ সহ্য তপস্যাতেই হোক বাঙালির জয়	iv. অর্ধযতি লোপ

উভয় তালিকার মধ্যে সামঞ্জস্য বিধান করে নীচের তালিকায় ঠিক উত্তরটি হল:

1. A - iv, B - iii, C - i, D - ii
2. A - iii, B - i, C - iv, D - ii
3. A - ii, B - i, C - iv, D - iii
4. A - iii, B - iv, C - ii, D - i

- (1) 1
(2) 2
(3) 3
(4) 4

1[Option ID=26001] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q75
2[Option ID=26002]
3[Option ID=26003]
4[Option ID=26004]

Sl. No.76
QBID:19076

মালাধর বসুর 'শ্রীকৃষ্ণবিজয়' অনুসরণে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য ও দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য: মালাধর বসু 'শ্রীকৃষ্ণবিজয়'র কাহিনিকে বৃন্দাবনলীলা, মথুরালীলা এবং দ্বারকালীলা --- এই তিনটি স্তরে বিন্যস্ত করেছেন।

যুক্তি: ঐশ্বর্যভাবের তুলনায় মধুরভাবে প্রাধান্য দেওয়াতেই এই তিনটি স্তর প্রাধান্য পেয়েছিল।

উপরের দুটি বিবৃতির সাপেক্ষে নীচের সংকেতে সবচেয়ে সংগত বিকল্পটি হল:

1. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটোই ঠিক
2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটোই ঠিক, কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়
3. মন্তব্যটি ঠিক, কিন্তু যুক্তিটি ভুল
4. মন্তব্য ভুল, কিন্তু যুক্তি ঠিক

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26005] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q76
2[Option ID=26006]
3[Option ID=26007]
4[Option ID=26008]

Sl. No.77
QBID:19077

'ঢোঁড়াইচরিত মানস' উপন্যাস অনুসরণে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার একটি মন্তব্য ও অন্যটি তার সাপেক্ষে যুক্তি:

মন্তব্য: জমি হল মানুষের পরিবারের মতো, তা কখনো একই রকম থাকে না।

যুক্তি: কেননা পরিবারে মানুষের জন্ম-মৃত্যুর মতো জমিরও হ্রাস-বৃদ্ধি হয়।

উপরের দুটি বিবৃতির পরিপ্রেক্ষিতে নীচের সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. মন্তব্য ও যুক্তি উভয়ই ঠিক
2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটোই ঠিক, কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়
3. মন্তব্যটি ঠিক, কিন্তু যুক্তিটি ভুল
4. মন্তব্য ভুল, কিন্তু যুক্তি ঠিক

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26009] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q77
2[Option ID=26010]
3[Option ID=26011]
4[Option ID=26012]

Sl. No.78
QBID:19078

'জননী' গল্প অনুসরণে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য ও দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য: মেজদা ছিল জন্মান্ব

যুক্তি: তাই মাকে সে হৃদয়ের চক্ষু দিতে চেয়েছিল

উপরের দুটি বিবৃতির পরিপ্রেক্ষিতে নীচের সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. মন্তব্য ও যুক্তি দুটোই ঠিক
2. মন্তব্য ও যুক্তি দুটিই ঠিক কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়
3. মন্তব্যটি ঠিক কিন্তু যুক্তিটি ভুল
4. মন্তব্য ভুল কিন্তু যুক্তি ঠিক

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26013] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q78
2[Option ID=26014]
3[Option ID=26015]
4[Option ID=26016]

Sl. No.79
QBID:19079

'প্রথম পার্থ' কাব্যনাট্য অবলম্বন করে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য ও দ্বিতীয়কে যুক্তি বলা হল :

মন্তব্য: কর্ণের সঙ্গে কথা বলবার আগে দুই বৃদ্ধ ব্রাহ্মণকে নিকটেই উপস্থিত থাকতে অনুরোধ করেন কুন্তী।

যুক্তি: একাকী কর্ণের সম্মুখে দাঁড়াতে ভীত ও লজ্জিত হয়ে পড়ছিলেন কুন্তী।

উপরের দুটি বিবৃতির সাপেক্ষে নীচের সংকেতে সবচেয়ে সংগত বিকল্পটি হল:

1. মন্তব্য এবং যুক্তি, দুটোই ঠিক
2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটোই ঠিক, কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়
3. মন্তব্যটি ঠিক কিন্তু যুক্তিটি ভুল
4. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটোই ভুল

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26017] Question Description : bwlq_pg_ben_ben_2_q79
2[Option ID=26018]
3[Option ID=26019]
4[Option ID=26020]

Sl. No.80
QBID:19080

নীচে 'মুক্তধারা' নাটক থেকে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য এবং দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য: বিভূতি মুক্তধারার জলকে আবদ্ধ করে শিবতরাইয়ের প্রজাদের বাধ্য করলেও মন্ত্রীর তাতে তেমন উৎসাহ লক্ষ করা গেল না।

যুক্তি: মন্ত্রী মনে করেন যুবরাজকে শিবতরাইয়ের শাসনভার দিলে তাতে আরো ভালো বাঁধ বাঁধা যেত।

উপরের দুটি বিবৃতির পরিপ্রেক্ষিতে নীচের সংকেতে সবচেয়ে সংগত বিকল্পটি হল:

1. মন্তব্য ও যুক্তি উভয়ই ঠিক
2. মন্তব্য এবং যুক্তি দুটোই ঠিক, কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়
3. মন্তব্য ঠিক কিন্তু যুক্তি ভুল
4. মন্তব্য ভুল কিন্তু যুক্তি ঠিক

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26021] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q80
2[Option ID=26022]
3[Option ID=26023]
4[Option ID=26024]

Sl. No.81
QBID:19081

চণ্ডীমঙ্গল কাব্যের 'বণিক খণ্ড' অনুসরণে শ্রীপতির বিদ্যাভ্যাস প্রসঙ্গে কয়েকটি গ্রন্থের উল্লেখ করা হল :

- A. রত্নাবলী
- B. বাসবদত্তা
- C. মেঘদূত
- D. কামশাস্ত্রদীপিকা
- E. কাদম্বরী

কাব্যে গ্রন্থগুলি যে ক্রমে এসেছে, প্রদত্ত সংকেত থেকে তার ঠিক ক্রমের শুদ্ধ বিকল্পটি হল:

1. B , E, D, A, C
2. E, A, C, D, B
3. C, A, E, B, D
4. B, D, E, A, C

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26025] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q81
2[Option ID=26026]
3[Option ID=26027]
4[Option ID=26028]

Sl. No.82
QBID:19082

অমিয় চক্রবর্তীর 'বিনিময়' কবিতাটি শুরু হচ্ছে, "তার বদলে পেলে" এই শব্দগুচ্ছ দিয়ে। নীচে 'তার বদলে' যা যা পাওয়া গেল তার কয়েকটি উল্লেখ করা হল:

- A. বেগনি মেঘের ওড়া পাল
- B. নীল বাঁধানো স্বচ্ছ মুকুর
- C. খোলা রাস্তা ধুলো পায়ের
- D. কান্না-হারা হাওয়া
- E. আলোয় ভরা জল

নীচের সংকেতে কবিতায় এই শব্দগুচ্ছগুলি যে ক্রমে এসেছে তার শুদ্ধ বিকল্পটি হল:

- 1. D, E, C, A, B
- 2. B, E, A, C, D
- 3. E, C, A, B, D
- 4. D, C, B, A, E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26029]
2[Option ID=26030]
3[Option ID=26031]
4[Option ID=26032]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q82

SI. No.83
QBID:19083

'পুতুলনাচের ইতিকথা' উপন্যাস অবলম্বনে গ্রাম সম্বন্ধে শশীর আসক্তি ও বিরাগের অনুভব নীচে উল্লেখ করা হল:

- A. কিছু ভালো লাগে না শশীর, --- না গ্রাম, না গ্রামের মানুষ।
- B. গ্রাম ছাড়িবার কথা ভাবিলে কেমন করিয়া উঠে মনটা।
- C. গ্রাম্য জীবনে আবার শশীর বিতৃষ্ণা আসিয়াছে।
- D. কে যেন গাঁ হইতে শশীকে তাড়াইয়া দিতেছে, থাকিবার উপায় নাই।
- E. গ্রাম ছাড়িয়া কোথায় যাইবে শশী? কি আছে গ্রামের বাহিরে শশীর যা মনোহরণ করিতে পারিবে?

প্রদত্ত সংকেতে উপন্যাসে বিবৃতিগুলি যে ক্রমে এসেছে তার ঠিক বিকল্পটি হল:

- 1. A, C, E, D, B
- 2. C, A, E, B, D
- 3. B, D, E, A, C
- 4. D, E, A, C, B

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26033]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q83

2[Option ID=26034]
3[Option ID=26035]
4[Option ID=26036]

SI. No.84
QBID:19084

‘কানাকড়ি’ গল্প অনুসরণে সাবিত্রীর প্রতি মন্থর কয়েকটি উক্তি নীচে দেওয়া হল:

- আমাদের কিন্তু গর্ব আছে সাবিত্রী, উপোস করে শরীর শুকিয়ে মরলেও ভেতরের মানুষটাকে নিচু করিনি।
- আমরা গরিব হতে পারি, কিন্তু ভেতরটা আমাদের খাঁটি।
- আমরা দু’জনকে নিয়ে দু’জন কারুর কাছে ছোট হব না।
- নিজে ঠিক থাকলেই হল।

প্রদত্ত সংকেতে গল্পে উক্তিগুলি যে ক্রমে এসেছে তার ঠিক বিকল্পটি হল:

- D, B, C, A
- B, A, D, C
- C, D, B, A
- A, D, B, C

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26037]
2[Option ID=26038]
3[Option ID=26039]
4[Option ID=26040]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q84

SI. No.85
QBID:19085

‘টিনের তলোয়ার’ নাটকের ‘দুই’ নম্বর দৃশ্যের এক বিখ্যাত সংলাপে বেণীমাধব নিজের পরিচয় দিতে গিয়ে যা যা বলেছিল, নীচে সেগুলি দেওয়া হল:

- আমি স্রষ্টা
- আমি দেবশিল্পী বিশ্বকর্মা
- আমি শিক্ষক
- আমি একদিক থেকে ব্রহ্মার সমান
- আমি তাল তাল মাটি নিয়ে জীবন্ত প্রতিমা গড়ি

সংলাপে উল্লেখের ক্রমানুসারে নীচের সংকেত থেকে শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

- A, C, E, B, D
- C, B, A, E, D
- B, A, C, D, E
- C, A, E, D, B

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26041] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q85
2[Option ID=26042]
3[Option ID=26043]
4[Option ID=26044]

SI. No.86
QBID:19086

নীচে বাংলা সাময়িক পত্রের ইতিহাসের কতকগুলি ঘটনার উল্লেখ করা হল:

- 'কল্লোল' পত্রিকার শেষ সংখ্যা প্রকাশ।
- 'সবুজ পত্র' পত্রিকা চিরতরে বন্ধ হয়ে যাওয়া।
- 'তত্ত্ববোধিনী পত্রিকা'র সম্পাদনার দায়িত্ব থেকে রবীন্দ্রনাথের অব্যাহতি।
- 'প্রবাসী'র পঁচিশ বছর পূর্তি।

নীচের সংকেতে ঘটনাগুলির কালক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

1. C, A, D, B
2. D, C, B, A
3. B, D, A, C
4. A, B, C, D

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26045] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q86
2[Option ID=26046]
3[Option ID=26047]
4[Option ID=26048]

SI. No.87
QBID:19087

নীচে 'দুরাশা' গল্প থেকে কয়েকটি উদ্ধৃতি দেওয়া হল:

- বদ্রাওনের ফৌজের উপর কেশরলালের এমন একটি অলৌকিক আধিপত্য ছিল যে, তাঁহার কথায় তাহারা ভাঙা বন্দুক ও ভোঁতা তরবারি হস্তে লড়াই করিয়া মরিতে প্রস্তুত হইল।
- কেশরলাল বলুকাল হইল নেপাল ত্যাগ করিয়া কোথায় চলিয়া গিয়াছে কেহ জানে না।
- কেশরলাল কহিলেন, 'কে তুমি'? আমি আর থাকিতে পারিলাম না, বলিলাম, 'অধীনা আপনার ভক্ত সেবিকা। আমি নবাব গোলামকাদের খাঁর কন্যা'।
- তিনি তাঁতিয়াটোপির দলে মিশিয়া সেই বিপ্লবচ্ছন্ন আকাশতলে অকস্মাৎ কখনো পূর্বে, কখনো পশ্চিমে, কখনো ঈশানে, কখনো নৈঋতে, বজ্রপাতের মতো মুহূর্তের মধ্যে ভাঙিয়া পড়িয়া, মুহূর্তের মধ্যে অদৃশ্য হইতেছিলেন।
- এমন সময় কোম্পানি বাহাদুরের সহিত সিপাহিলোকের লড়াই বাধিল। আমাদের বদ্রাওনের ক্ষুদ্র কেলাটির মধ্যেও বিপ্লবের তরঙ্গ জাগিয়া উঠিল।

গল্পে যে কালানুক্রমে এই প্রসঙ্গগুলি এসেছে, নীচের সংকেতে সেই ক্রমের ঠিক উত্তরটি হল:

1. D, E, A, C, B
2. A, E, C, D, B
3. E, A, D, C, B
4. C, B, E, A, D

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26049] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q87
2[Option ID=26050]
3[Option ID=26051]
4[Option ID=26052]

SI. No.88
QBID:19088

নীচে রবীন্দ্রনাথের লেখা ছন্দ-বিষয়ক কয়েকটি রচনার সাময়িক পত্রে প্রকাশের সময়ের শিরোনাম ও সংশ্লিষ্ট সাময়িক পত্রের নাম উল্লেখিত হল:

- A. 'ছন্দের হসন্ত হলন্ত' : পরিচয়
- B. 'ছন্দের মাত্রা' : উদয়ন
- C. 'ছন্দ' : বঙ্গশ্রী
- D. 'বাংলা ছন্দ' : বিচিত্রা

নীচের সংকেতে প্রবন্ধগুলি সাময়িক পত্রে প্রকাশ কালের শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

1. D, A, C, B
2. C, B, D, A
3. B, C, A, D
4. A, D, B, C

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26053] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q88
2[Option ID=26054]
3[Option ID=26055]
4[Option ID=26056]

SI. No.89
QBID:19089

নীচের সাধারণ পূর্বরাগের ছয়টি দশা থেকে কয়েকটি উল্লেখ করা হল:

- A. স্মৃতি
- B. অভিলাষ
- C. উদ্ব্বেগ
- D. গুণকীর্তন
- E. চিন্তা

নীচের সংকেত থেকে ঠিক ক্রমের শুদ্ধ বিকল্পটি হল:

1. C, A, D, E, B
2. D, A, B, E, C
3. B, E, A, D, C
4. C, B, E, A, D

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26057]
2[Option ID=26058]
3[Option ID=26059]
4[Option ID=26060]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q89

Sl. No.90
QBID:19090

" তিয়জ পহরে বড়ায়ি পিক ঘন রএ।
কাহের বিরহে মোর প্রাণ থির নহে।। ...
চারি পহর দিন পুরিল সকল।
কাহু বিণি আয়িলাহোঁ আন্মে কদম্বের তল। "

'রাধাবিরহ' অংশে রাধার এই উক্তি যে রাগ-নামে চিহ্নিত, তা হল :

1. শ্রীরাগঃ
2. মালবশ্রীরাগঃ
3. আহেররাগঃ
4. রামগিরীরাগঃ

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26061]
2[Option ID=26062]
3[Option ID=26063]
4[Option ID=26064]

Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q90

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর দিতে হবে।

প্রগতিশীলদের সঙ্গে আমার রুচিভেদ, যা কালক্রমে খুব স্পষ্ট হয়ে উঠেছিলো --- আমি তা প্রথম টের পেলাম যখন 'আধুনিক বাংলা কবিতা' সংকলনগ্রন্থটি প্রস্তুতির পথে।

কয়েক বছর আগে নরেন্দ্র দেব ও রাধারাণী দেবী বের করেছেন তাঁদের 'কাব্য-দিপালী' --- সেটাই বোধহয় প্রথম কাব্য সংকলন বাংলা ভাষায়, আর সেই হিশেবে উত্তরকালের স্বরণযোগ্য, কিন্তু প্রথম দর্শনে আমরা কেউ খুশি হতে পারিনি। মস্ত আকারে জমকালো বাঁধাই, উপহারযোগ্য রাজসংস্করণ, ভালো কবিতা অনেক আছে কিন্তু সন্নিবেশে বিশিষ্ট কোনো রুচির পরিচয় নেই।

গুজব শুনছি এডওয়ার্ড টমসনের উদ্যোগে একটি 'অক্সফোর্ড বুক অব বেঙ্গলি ভার্স' বেরোবে খোদা রবীন্দ্রনাথের সম্পাদনায় --- কিন্তু তার বদলে একদিন বেরোলো বিশ্বভারতী থেকে 'বাংলা কাব্যপরিচয়', আমাদের জন্য গভীরতর নৈরাশ্য নিয়ে, এমন একটি নিশ্চরিত্র সংগ্রহ যে চোখে দেখেও বিশ্বাস হয় না রবীন্দ্রনাথই সম্পাদক। 'কবিতা'-য় একটি আলোচনা আমাকে লিখতেই হলো --- প্রতিকূল বলেই বহুবিধ যুক্তিসহকারে বিস্তারিত। সংখ্যাটি বেরোনোমাত্র কাটা গেল বিশ্বভারতীর বিজ্ঞাপন, কিন্তু আমি রইলাম এবং এখনো আছি অনুতাপহীন; ভাবলে আমার এখনো মনে হয় সেই প্রেমের-কবিতাবর্জিত, গদ্যকবিতারহিত পাঠ্যবই-গন্ধী সংকলনটি জ্যোতিষ্মান রবীন্দ্রনাথ নামের নিতান্তই অযোগ্য।

'কবিতা' বেরোবার পর থেকেই ঝাপসাভাবে ভাবছিলাম কথাটা, 'বাংলা কাব্যপরিচয়'র ধাক্কায় মনে হলো আর দেরি নয় --- আধুনিক কবিতার পর্যাপ্ত একটি সংকলন এখন প্রয়োজন। সম্পাদক-পদে বৃত্ত হলেন এমন দুজন যাঁরা বৈদম্ব্যবান, কিন্তু নিজেরা কবি নন --- আইয়ুব ও হীরেন মুখোপাধ্যায়; কবিতা-নির্বাচনে সমবায়-নীতি অনুসৃত হলো; প্রথম খসড়াটি আমি পেশ করলাম। সপ্তাহে একবার বা দু-বার সাক্ষ্য-বৈঠক বসে কবিতাভবনে; নিয়মিত আসেন আইয়ুব, বিষ্ণু দে, সমর সেন, ক্বচিং কখনো নানা-কাজে-ব্যস্ত হীরেন মুখার্জি।

বড়ো বই, নির্ভরযোগ্য প্রকাশক চাই। আমার প্রথমেই মনে পড়লো সুধীর সরকারকে; তাঁর জনবহুল দোকান-ঘর এড়িয়ে চলে গেলাম এক সন্ধ্যায় তাঁর বাড়িতে। চারতলার ঘরে শুয়েছিলেন তিনি, আমার প্রস্তাব শুনে অধিক বাক্যব্যয় বিনা সম্মত হলেন। প্রকাশের পর প্রচার হলো অল্প এবং সীমিত, কিন্তু মনীষীরা অনাদর করলেন না --- নিষ্ঠাবান সমালোচনা লিখলেন দু-জন প্রবীণ কাব্যরসিক পণ্ডিত : 'কবিতা'য় অতুলচন্দ্র গুপ্ত ও রিপন কলেজের অধ্যক্ষ রবীন্দ্রনারায়ণ ঘোষ 'পরিচয়ে'।

আমরা সকলেই আনন্দিত যে বই বেরিয়েছে, কিন্তু শেষ পর্যন্ত যা দাঁড়ালো তা আমার মনে হলো অপরিপূর্ণ। আমরা আরম্ভ করেছিলাম 'লিপিকা' দিয়ে; কথা ছিল বিশ শতকের সত্যিকার প্রতিনিধি হবে বইটা ; কিন্তু নির্বাচনকালেই লক্ষ করেছিলাম সেই ধরনের কবিতা প্রাধান্য পাচ্ছে যাকে এখনকার ভাষায় বলা হতো 'সমাজসচেতন', তুলনায় অন্য জাতের কবিরা উপেক্ষিত হচ্ছেন --- ভূমিকাদুটিতেও সেই ভঙ্গি সুপরিষ্ফুট।

'নিষ্ঠাবান সমালোচনা লিখলেন দু-জন প্রবীণ কাব্যরসিক পণ্ডিত', এই বাক্যাংশে যে বইয়ের সমালোচনা লেখার কথা বলা হয়েছে সেটি হল:

1. কাব্য-দিপালী
2. বাংলা কাব্যপরিচয়
3. অক্সফোর্ড বুক অব বেঙ্গলি ভার্স
4. আধুনিক বাংলা কবিতা

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26065] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q91
2[Option ID=26066]
3[Option ID=26067]
4[Option ID=26068]

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর দিতে হবে।

প্রগতিশীলদের সঙ্গে আমার রুচিভেদ, যা কালক্রমে খুব স্পষ্ট হয়ে উঠেছিলো --- আমি তা প্রথম টের পেলাম যখন 'আধুনিক বাংলা কবিতা' সংকলনগ্রন্থটি প্রস্তুতির পথে।

কয়েক বছর আগে নরেন্দ্র দেব ও রাধারাণী দেবী বের করেছেন তাঁদের 'কাব্য-দিপালী' --- সেটাই বোধহয় প্রথম কাব্য সংকলন বাংলা ভাষায়, আর সেই হিশেবে উত্তরকালের স্বরণযোগ্য, কিন্তু প্রথম দর্শনে আমরা কেউ খুশি হতে পারিনি। মস্ত আকারে জমকালো বাঁধাই, উপহারযোগ্য রাজসংস্করণ, ভালো কবিতা অনেক আছে কিন্তু সন্নিবেশে বিশিষ্ট কোনো রুচির পরিচয় নেই।

গুজব শুনেছি এডওয়ার্ড টমসনের উদ্যোগে একটি 'অক্সফোর্ড বুক অব বেঙ্গলি ভার্স'বেরোবে খোদ রবীন্দ্রনাথের সম্পাদনায় --- কিন্তু তার বদলে একদিন বেরোলো বিশ্বভারতী থেকে 'বাংলা কাব্যপরিচয়', আমাদের জন্য গভীরতর নৈরাশ্য নিয়ে, এমন একটি নিশ্চরিত্র সংগ্রহ যে চোখে দেখেও বিশ্বাস হয় না রবীন্দ্রনাথই সম্পাদক। 'কবিতা'-য় একটি আলোচনা আমাকে লিখতেই হলো --- প্রতিকূল বলেই বহুবিধ যুক্তিসহকারে বিস্তারিত। সংখ্যাটি বেরোনোমাত্র কাটা গেল বিশ্বভারতীর বিজ্ঞাপন, কিন্তু আমি রইলাম এবং এখনো আছি অনুতাপহীন; ভাবলে আমার এখনো মনে হয় সেই প্রেমের-কবিতাবর্জিত, গদ্যকবিতারহিত পাঠ্যবই-গন্ধী সংকলনটি জ্যোতিষ্মান রবীন্দ্রনাথ নামের নিতান্তই অযোগ্য।

'কবিতা' বেরোবার পর থেকেই ঝাপসাভাবে ভাবছিলাম কথাটা, 'বাংলা কাব্যপরিচয়'র ধাক্কায় মনে হলো আর দেরি নয় --- আধুনিক কবিতার পর্যাপ্ত একটি সংকলন এখন প্রয়োজন। সম্পাদক-পদে বৃত হলেন এমন দুজন যাঁরা বৈদম্বান, কিন্তু নিজেরা কবি নন --- আইয়ুব ও হীরেন মুখোপাধ্যায়; কবিতা-নির্বাচনে সমবায়-নীতি অনুসৃত হলো; প্রথম খসড়াটি আমি পেশ করলাম। সপ্তাহে একবার বা দু-বার সাক্ষ্য-বৈঠক বসে কবিতাভবনে; নিয়মিত আসেন আইয়ুব, বিষ্ণু দে, সমর সেন, কুচিং কখনো নানা-কাজে-ব্যস্ত হীরেন মুখার্জি।

বড়ো বই, নির্ভরযোগ্য প্রকাশক চাই। আমার প্রথমেই মনে পড়লো সুধীর সরকারকে; তাঁর জনবহুল দোকান-ঘর এড়িয়ে চলে গেলাম এক সন্ধ্যায় তাঁর বাড়িতে। চারতলার ঘরে শুয়েছিলেন তিনি, আমার প্রস্তাব শুনে অধিক বাক্যব্যয় বিনা সম্মত হলেন। প্রকাশের পর প্রচার হলো অল্প এবং সীমিত, কিন্তু মনীষীরা অনাদর করলেন না --- নিষ্ঠাবান সমালোচনা লিখলেন দু-জন প্রবীণ কাব্যরসিক পণ্ডিত : 'কবিতা'য় অতুলচন্দ্র গুপ্ত ও রিপন কলেজের অধ্যক্ষ রবীন্দ্রনারায়ণ ঘোষ 'পরিচয়'।

আমরা সকলেই আনন্দিত যে বই বেরিয়েছে, কিন্তু শেষ পর্যন্ত যা দাঁড়ালো তা আমার মনে হলো অপরিপূর্ণ। আমরা আরম্ভ করেছিলাম 'লিপিকা' দিয়ে; কথা ছিল বিশ শতকের সত্যিকার প্রতিনিধি হবে বইটা; কিন্তু নির্বাচনকালেই লক্ষ করেছিলাম সেই ধরনের কবিতা প্রাধান্য পাচ্ছে যাকে এখনকার ভাষায় বলা হতো 'সমাজসচেতন', তুলনায় অন্য জাতের কবিরা উপেক্ষিত হচ্ছেন --- ভূমিকাদুটিতেও সেই ভঙ্গি সুপরিষ্ফুট।

একটি নতুন কাব্যসংকলনের প্রয়োজনীয়তার কথা লেখক যখন সর্বপ্রথম ভাবতে শুরু করেছিলেন:

1. 'কাব্য-দিপালী' প্রকাশিত হওয়ার পর থেকে
2. 'কবিতা' পত্রিকাটি বেরোবার পর থেকে
3. 'বাংলা কাব্যপরিচয়' সংকলনগ্রন্থটি বেরোবার পর থেকে
4. বিশ্বভারতীর বিজ্ঞাপন বন্ধ হয়ে যাওয়ার পর থেকে

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

1[Option ID=26069] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q92
2[Option ID=26070]
3[Option ID=26071]
4[Option ID=26072]

Sl. No.93
QBID:19093

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর দিতে হবে।

প্রগতিশীলদের সঙ্গে আমার রুচিভেদ, যা কালক্রমে খুব স্পষ্ট হয়ে উঠেছিলো --- আমি তা প্রথম টের পেলাম যখন 'আধুনিক বাংলা কবিতা' সংকলনগ্রন্থটি প্রস্তুতির পথে।

কয়েক বছর আগে নরেন্দ্র দেব ও রাধারাণী দেবী বের করেছেন তাঁদের 'কাব্য-দিপালী' --- সেটাই বোধহয় প্রথম কাব্য সংকলন বাংলা ভাষায়, আর সেই হিশেবে উত্তরকালের স্বরণযোগ্য, কিন্তু প্রথম দর্শনে আমরা কেউ খুশি হতে পারিনি। মস্ত আকারে জমকালো বাঁধাই, উপহারযোগ্য রাজসংস্করণ, ভালো কবিতা অনেক আছে কিন্তু সন্নিবেশে বিশিষ্ট কোনো রুচির পরিচয় নেই।

গুজব শুনছি এডওয়ার্ড টমসনের উদ্যোগে একটি 'অক্সফোর্ড বুক অব বেঙ্গলি ভার্স'বেরোবে খোদ রবীন্দ্রনাথের সম্পাদনায় --- কিন্তু তার বদলে একদিন বেরোলো বিশ্বভারতী থেকে 'বাংলা কাব্যপরিচয়', আমাদের জন্য গভীরতর নৈরাশ্য নিয়ে, এমন একটি নিশ্চরিত্র সংগ্রহ যে চোখে দেখেও বিশ্বাস হয় না রবীন্দ্রনাথই সম্পাদক। 'কবিতা'-য় একটি আলোচনা আমাকে লিখতেই হলো --- প্রতিকূল বলেই বহুবিধ যুক্তিসহকারে বিস্তারিত। সংখ্যাটি বেরোনোমাত্র কাটা গেল বিশ্বভারতীর বিজ্ঞাপন, কিন্তু আমি রইলাম এবং এখনো আছি অনুতাপহীন; ভাবলে আমার এখনো মনে হয় সেই প্রেমের-কবিতাবর্জিত, গদ্যকবিতারহিত পাঠ্যবই-গন্ধী সংকলনটি জ্যোতিষ্মান রবীন্দ্রনাথ নামের নিতান্তই অযোগ্য।

'কবিতা' বেরোবার পর থেকেই ঝাপসাভাবে ভাবছিলাম কথাটা, 'বাংলা কাব্যপরিচয়'র ধাক্কায় মনে হলো আর দেরি নয় --- আধুনিক কবিতার পর্যাপ্ত একটি সংকলন এখন প্রয়োজন। সম্পাদক-পদে বৃত হলেন এমন দুজন যাঁরা বৈদম্বান, কিন্তু নিজেরা কবি নন --- আইয়ুব ও হীরেন মুখোপাধ্যায়; কবিতা-নির্বাচনে সমবায়-নীতি অনুসৃত হলো; প্রথম খসড়াটি আমি পেশ করলাম। সপ্তাহে একবার বা দু-বার সাক্ষ্য-বৈঠক বসে কবিতাভবনে; নিয়মিত আসেন আইয়ুব, বিষ্ণু দে, সমর সেন, কুচিং কখনো নানা-কাজে-ব্যস্ত হীরেন মুখার্জি।

বড়ো বই, নির্ভরযোগ্য প্রকাশক চাই। আমার প্রথমেই মনে পড়লো সুধীর সরকারকে; তাঁর জনবহুল দোকান-ঘর এড়িয়ে চলে গেলাম এক সন্ধ্যায় তাঁর বাড়িতে। চারতলার ঘরে শুয়েছিলেন তিনি, আমার প্রস্তাব শুনে অধিক বাক্যব্যয় বিনা সম্মত হলেন। প্রকাশের পর প্রচার হলো অল্প এবং সীমিত, কিন্তু মনীষীরা অনাদর করলেন না --- নিষ্ঠাবান সমালোচনা লিখলেন দু-জন প্রবীণ কাব্যরসিক পণ্ডিত : 'কবিতা'য় অতুলচন্দ্র গুপ্ত ও রিপন কলেজের অধ্যক্ষ রবীন্দ্রনারায়ণ ঘোষ 'পরিচয়'।

আমরা সকলেই আনন্দিত যে বই বেরিয়েছে, কিন্তু শেষ পর্যন্ত যা দাঁড়ালো তা আমার মনে হলো অপরিপূর্ণ। আমরা আরম্ভ করেছিলাম 'লিপিকা' দিয়ে; কথা ছিল বিশ শতকের সত্যিকার প্রতিনিধি হবে বইটা; কিন্তু নির্বাচনকালেই লক্ষ করেছিলাম সেই ধরনের কবিতা প্রাধান্য পাচ্ছে যাকে এখনকার ভাষায় বলা হতো 'সমাজসচেতন', তুলনায় অন্য জাতের কবিরা উপেক্ষিত হচ্ছেন --- ভূমিকা দুটিতেও সেই ভঙ্গি সুপরিষ্ফুট।

উপরে লিখিত গদ্যাংশ অবলম্বনে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- 'আধুনিক বাংলা কবিতা' সংকলনগ্রন্থের প্রথম কবিতাটি নেওয়া হয়েছিল 'লিপিকা' থেকে।
- সুধীর সরকারের ঘরটি ছিল চারতলায়।
- 'আধুনিক বাংলা কবিতা' সংকলনটির জন্য লেখা হয়েছিল দুটি 'ভূমিকা'।
- কবিতা ভবনের সাক্ষ্যবৈঠকে 'নিয়মিত আসেন' তিনজন বিশিষ্ট কবি।
- কবিতা নির্বাচন পর্বে প্রথম খসড়াটি পেশ করলেন হীরেন মুখার্জি।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

1. A, B এবং C
2. A, B এবং D
3. A, C এবং D
4. B, D এবং E

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর দিতে হবে।

প্রগতিশীলদের সঙ্গে আমার রুচিভেদ, যা কালক্রমে খুব স্পষ্ট হয়ে উঠেছিলো --- আমি তা প্রথম টের পেলাম যখন 'আধুনিক বাংলা কবিতা' সংকলনগ্রন্থটি প্রস্তুতির পথে।

কয়েক বছর আগে নরেন্দ্র দেব ও রাধারাণী দেবী বের করেছেন তাঁদের 'কাব্য-দিপালী' --- সেটাই বোধহয় প্রথম কাব্য সংকলন বাংলা ভাষায়, আর সেই হিসেবে উত্তরকালের স্বরণযোগ্য, কিন্তু প্রথম দর্শনে আমরা কেউ খুশি হতে পারিনি। মস্ত আকারে জমকালো বাঁধাই, উপহারযোগ্য রাজসংস্করণ, ভালো কবিতা অনেক আছে কিন্তু সন্নিবেশে বিশিষ্ট কোনো রুচির পরিচয় নেই।

গুজব শুনছি এডওয়ার্ড টমসনের উদ্যোগে একটি 'অক্সফোর্ড বুক অব বেঙ্গলি ভার্স'বেরোবে খোদ রবীন্দ্রনাথের সম্পাদনায় --- কিন্তু তার বদলে একদিন বেরোলো বিশ্বভারতী থেকে 'বাংলা কাব্যপরিচয়', আমাদের জন্য গভীরতর নৈরাশ্য নিয়ে, এমন একটি নিশ্চরিত্র সংগ্রহ যে চোখে দেখেও বিশ্বাস হয় না রবীন্দ্রনাথই সম্পাদক। 'কবিতা'-য় একটি আলোচনা আমাকে লিখতেই হলো --- প্রতিকূল বলেই বহুবিধ যুক্তিসহকারে বিস্তারিত। সংখ্যাটি বেরোনোমাত্র কাটা গেল বিশ্বভারতীর বিজ্ঞাপন, কিন্তু আমি রইলাম এবং এখনো আছি অনুতাপহীন; ভাবলে আমার এখনো মনে হয় সেই প্রেমের-কবিতাবর্জিত, গদ্যকবিতারহিত পাঠ্যবই-গন্ধী সংকলনটি জ্যোতিষ্মান রবীন্দ্রনাথ নামের নিতান্তই অযোগ্য।

'কবিতা' বেরোবার পর থেকেই ঝাপসাভাবে ভাবছিলাম কথাটা, 'বাংলা কাব্যপরিচয়'র ধাক্কায় মনে হলো আর দেরি নয় --- আধুনিক কবিতার পর্যাপ্ত একটি সংকলন এখন প্রয়োজন। সম্পাদক-পদে বৃত্ত হলেন এমন দুজন যাঁরা বৈদগ্ধবান, কিন্তু নিজেরা কবি নন --- আইয়ুব ও হীরেন মুখোপাধ্যায়; কবিতা-নির্বাচনে সমবায়-নীতি অনুসৃত হলো; প্রথম খসড়াটি আমি পেশ করলাম। সপ্তাহে একবার বা দু-বার সাক্ষ্য-বৈঠক বসে কবিতাভবনে; নিয়মিত আসেন আইয়ুব, বিষ্ণু দে, সমর সেন, কুচিং কখনো নানা-কাজে-ব্যস্ত হীরেন মুখার্জি।

বড়ো বই, নির্ভরযোগ্য প্রকাশক চাই। আমার প্রথমেই মনে পড়লো সুধীর সরকারকে; তাঁর জনবহুল দোকান-ঘর এড়িয়ে চলে গেলাম এক সন্ধ্যায় তাঁর বাড়িতে। চারতলার ঘরে শুয়েছিলেন তিনি, আমার প্রস্তাব শুনে অধিক বাক্যব্যয় বিনা সম্মত হলেন। প্রকাশের পর প্রচার হলো অল্প এবং সীমিত, কিন্তু মনীষীরা অনাদর করলেন না --- নিষ্ঠাবান সমালোচনা লিখলেন দু-জন প্রবীণ কাব্যরসিক পণ্ডিত : 'কবিতা'য় অতুলচন্দ্র গুপ্ত ও রিপন কলেজের অধ্যক্ষ রবীন্দ্রনারায়ণ ঘোষ 'পরিচয়ে'।

আমরা সকলেই আনন্দিত যে বই বেরিয়েছে, কিন্তু শেষ পর্যন্ত যা দাঁড়ালো তা আমার মনে হলো অপরিপূর্ণ। আমরা আরম্ভ করেছিলাম 'লিপিকা' দিয়ে; কথা ছিল বিশ শতকের সত্যিকার প্রতিনিধি হবে বইটা ; কিন্তু নির্বাচনকালেই লক্ষ করেছিলাম সেই ধরনের কবিতা প্রাধান্য পাচ্ছে যাকে এখনকার ভাষায় বলা হতো 'সমাজসচেতন', তুলনায় অন্য জাতের কবিরা উপেক্ষিত হচ্ছেন --- ভূমিকাদুটিতেও সেই ভঙ্গি সুপরিষ্ফুট।

নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল:

বিবৃতি ১: 'আধুনিক বাংলা কবিতা' বইটি প্রকাশের পর লেখকের মনে হল বইটি 'অপরিপূর্ণ' কেননা সেখানে 'সমাজসচেতন' কবিতার সংখ্যা খুবই কম।

বিবৃতি ২: 'আধুনিক বাংলা কবিতা' বইটির উল্লেখযোগ্য বৈশিষ্ট্য হল: সেখানে প্রেমের কবিতা এবং গদ্য কবিতাকে স্থান দেওয়া হয়নি।

উপরের দুটি বিবৃতির পরিপ্রেক্ষিতে নীচের সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. উভয় বিবৃতিই ঠিক
2. বিবৃতি ১ ঠিক কিন্তু বিবৃতি ২ ভুল
3. বিবৃতি ১ ভুল কিন্তু বিবৃতি ২ ঠিক
4. উভয় বিবৃতিই ভুল

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

নীচে একটি গদ্যাংশ দেওয়া হল। পরবর্তী প্রশ্নগুলি এই গদ্যাংশ অবলম্বনে উত্তর দিতে হবে।

প্রগতিশীলদের সঙ্গে আমার রুচিভেদ, যা কালক্রমে খুব স্পষ্ট হয়ে উঠেছিলো --- আমি তা প্রথম টের পেলাম যখন 'আধুনিক বাংলা কবিতা' সংকলনগ্রন্থটি প্রস্তুতির পথে।

কয়েক বছর আগে নরেন্দ্র দেব ও রাধারাণী দেবী বের করেছেন তাঁদের 'কাব্য-দিপালী' --- সেটাই বোধহয় প্রথম কাব্য সংকলন বাংলা ভাষায়, আর সেই হিসেবে উত্তরকালের স্বরণযোগ্য, কিন্তু প্রথম দর্শনে আমরা কেউ খুশি হতে পারিনি। মস্ত আকারে জমকালো বাঁধাই, উপহারযোগ্য রাজসংস্করণ, ভালো কবিতা অনেক আছে কিন্তু সন্নিবেশে বিশিষ্ট কোনো রুচির পরিচয় নেই।

গুজব শুনছি এডওয়ার্ড টমসনের উদ্যোগে একটি 'অক্সফোর্ড বুক অব বেঙ্গলি ভার্স'বেরোবে খোদ রবীন্দ্রনাথের সম্পাদনায় --- কিন্তু তার বদলে একদিন বেরোলো বিশ্বভারতী থেকে 'বাংলা কাব্যপরিচয়', আমাদের জন্য গভীরতর নৈরাশ্য নিয়ে, এমন একটি নিশ্চরিত্র সংগ্রহ যে চোখে দেখেও বিশ্বাস হয় না রবীন্দ্রনাথই সম্পাদক। 'কবিতা'-য় একটি আলোচনা আমাকে লিখতেই হলো --- প্রতিকূল বলেই বহুবিধ যুক্তিসহকারে বিস্তারিত। সংখ্যাটি বেরোনোমাত্র কাটা গেল বিশ্বভারতীর বিজ্ঞাপন, কিন্তু আমি রইলাম এবং এখনো আছি অনুতাপহীন; ভাবলে আমার এখনো মনে হয় সেই প্রেমের-কবিতাবর্জিত, গদ্যকবিতারহিত পাঠ্যবই-গন্ধী সংকলনটি জ্যোতিষ্মান রবীন্দ্রনাথ নামের নিতান্তই অযোগ্য।

'কবিতা' বেরোবার পর থেকেই ঝাপসাভাবে ভাবছিলাম কথাটা, 'বাংলা কাব্যপরিচয়'র ধাক্কায় মনে হলো আর দেরি নয় --- আধুনিক কবিতার পর্যাপ্ত একটি সংকলন এখন প্রয়োজন। সম্পাদক-পদে বৃত্ত হলেন এমন দুজন যাঁরা বৈদগ্ধবান, কিন্তু নিজেরা কবি নন --- আইয়ুব ও হীরেন মুখোপাধ্যায়; কবিতা-নির্বাচনে সমবায়-নীতি অনুসৃত হলো; প্রথম খসড়াটি আমি পেশ করলাম। সপ্তাহে একবার বা দু-বার সাক্ষ্য-বৈঠক বসে কবিতাভবনে; নিয়মিত আসেন আইয়ুব, বিষ্ণু দে, সমর সেন, কুচিং কখনো নানা-কাজে-ব্যস্ত হীরেন মুখার্জি।

বড়ো বই, নির্ভরযোগ্য প্রকাশক চাই। আমার প্রথমেই মনে পড়লো সুধীর সরকারকে; তাঁর জনবহুল দোকান-ঘর এড়িয়ে চলে গেলাম এক সন্ধ্যায় তাঁর বাড়িতে। চারতলার ঘরে শুয়েছিলেন তিনি, আমার প্রস্তাব শুনে অধিক বাক্যব্যয় বিনা সম্মত হলেন। প্রকাশের পর প্রচার হলো অল্প এবং সীমিত, কিন্তু মনীষীরা অনাদর করলেন না --- নিষ্ঠাবান সমালোচনা লিখলেন দু-জন প্রবীণ কাব্যরসিক পণ্ডিত : 'কবিতা'য় অতুলচন্দ্র গুপ্ত ও রিপন কলেজের অধ্যক্ষ রবীন্দ্রনারায়ণ ঘোষ 'পরিচয়ে'।

আমরা সকলেই আনন্দিত যে বই বেরিয়েছে, কিন্তু শেষ পর্যন্ত যা দাঁড়ালো তা আমার মনে হলো অপরিপূর্ণ। আমরা আরম্ভ করেছিলাম 'লিপিকা' দিয়ে; কথা ছিল বিশ শতকের সত্যিকার প্রতিনিধি হবে বইটা; কিন্তু নির্বাচনকালেই লক্ষ করেছিলাম সেই ধরনের কবিতা প্রাধান্য পাচ্ছে যাকে এখনকার ভাষায় বলা হতো 'সমাজসচেতন', তুলনায় অন্য জাতের কবিরা উপেক্ষিত হচ্ছেন --- ভূমিকাদুটিতেও সেই ভঙ্গি সুপরিষ্ফুট।

নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল, যার প্রথমটিকে মন্তব্য ও দ্বিতীয়টিকে যুক্তি বলা হল:

মন্তব্য: 'কাব্য-দিপালী' বইটিকে প্রথমবার দেখে লেখক খুশি হতে পারেননি।

যুক্তি: বইটির মস্ত আকার ও জমকালো বাঁধাই।

উপরের দুটি বিবৃতির সাপেক্ষে নীচের সংকেতে সবচেয়ে সংগত বিকল্পটি হল:

1. মন্তব্য ও যুক্তি দুটোই ঠিক।
2. মন্তব্য ও যুক্তি দুটোই ঠিক কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়।
3. মন্তব্য ঠিক কিন্তু যুক্তি ভুল।
4. মন্তব্য ভুল কিন্তু যুক্তি ঠিক।

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

নীচের অনুচ্ছেদটি অনুসরণ করে প্রশ্নগুলির উত্তর দিতে হবে:

উনিশ শতকে বাংলা প্রাইমারের ক্ষেত্রে বৈপ্লবিক পরিবর্তন এল ১৮৪৯ সালে। সে-বছর বেথুনের 'ক্যালকাটা ফিমেল স্কুল' প্রতিষ্ঠা হয়। মদনমোহন তর্কালঙ্কার নিজের কন্যাকেই শুধু সেখানে ভর্তি করেছিলেন তাই নয়, সেখানে পাঠদান এবং ছাত্রীদের উপযুক্ত পাঠ্যগ্রন্থ হিসেবে 'শিশুশিক্ষা' সিরিজের প্রথম তিনটি ভাগ রচনা করেছিলেন তিনি স্বয়ং; যার প্রথম ভাগ রচিত হয় স্কুলটির প্রতিষ্ঠার বছরেই।

প্রচলিত প্রথা ভেঙে মদনমোহন প্রথমে স্বরধ্বনি ও পরে ব্যঞ্জনধ্বনি স্থাপন করেছেন। অনুস্বার ও বিসর্গকে তিনি স্বরধ্বনির মর্যাদা দেন। প্রবোধচন্দ্র সেন তাঁর সম্পর্কে লিখেছিলেন, 'তিনি গতানুগতিকতার স্থলে আনলেন যুক্তিপ্ৰয়োগের আদর্শ। প্রথার বদলে বিচার, রীতির বদলে নীতি।' ১৮৫৫সালে বাংলা প্রাইমারের আরেক মাইল ফলক প্রকাশিত হয় --- বিদ্যাসাগরের 'বর্ণপরিচয়'-এর প্রথম ভাগ। এই দুইয়ের মাঝে অবশ্য প্রকাশিত হয় অজ্ঞাতনামা লেখকদের বেশ কয়েকটি 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার।

উনিশ শতকের শিশুদের বর্ণশিক্ষার প্রাইমারের তালিকা অবশ্য বেশ দীর্ঘ --- প্রায় পাঁচশোটি। তবে ১৮৩৫ সালের আগে প্রাইমার রচনায় বাঙালিদের তেমন উৎসাহ দেখা যায়নি। মিশনারিরা এব্যাপারে পথিকৃতের মর্যাদা পেতে পারেন। তাঁরা 'লিপিধারা' নামের প্রাইমার প্রকাশ করেছিলেন উনিশ শতকের দ্বিতীয় দশকেই। এই প্রাইমার প্রকাশের পর পরপর দুবছরে প্রতিষ্ঠিত হয় যথাক্রমে 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি' এবং 'কলিকাতা স্কুল সোসাইটি'(১৮১৮)। 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি'-র পক্ষ থেকে প্রতিষ্ঠার পরের বছরেই প্রকাশিত হয় 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার। ১৮৩৫ সালে ঈশ্বরচন্দ্র বসু লেখেন বর্ণমালা শেখার বই 'শব্দসার'। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা'(১৮৪০) প্রতিষ্ঠার একবছর আগে প্রতিষ্ঠিত হিন্দু কলেজ পাঠশালার উদ্যোগে লেখা হয় নতুন প্রাইমার 'শিশুসেবধি'। এটা একটা সিরিজ, ব্রজেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়ের মতে যার প্রথম দুটি খণ্ড লেখেন রামচন্দ্র বিদ্যাবাগীশ। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা' তার প্রতিষ্ঠার বছরেই প্রকাশ করে প্রাইমার 'বর্ণমালা'; এর দুটি খণ্ডের দ্বিতীয়টি প্রকাশিত হয় প্রথমটির চারবছর বাদে ১৮৪৪ সালে।

মদনমোহন ও বিদ্যাসাগরের প্রাইমার নিয়ে নানারকম তঞ্চকতাও ঘটেছে উত্তরকালে। ১৮৯৭ সালে মুন্সি জমারত হুসেন মদনমোহনের প্রাইমারের নামের আগে শুধু 'সচিত্র' শব্দটি যোগ করে তা প্রকাশ করেন। গৌরচন্দ্র দাস ১৯০০ সালে প্রকাশ করেন কিনা 'মদনমোহনের 'শিশুশিক্ষা' ৪র্থ ভাগ! বিদ্যাসাগরের দুর্দশা আরো করুণ। ১৮৮৯ সালে 'অনুসন্ধান' পত্রিকা লেখে, 'বিদ্যাসাগরের বর্ণপরিচয় বহুসংখ্যক বিক্রীত হয়। জুয়াচোর গ্রন্থকারও বর্ণপরিচয় ছাপাইল।' তাতে মোটা হরফে লেখা ছিল 'বর্ণপরিচয় প্রথম ভাগ, শ্রীঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর; আর আণুবীক্ষণিক খুদে হরফে তার নীচে উল্লিখিত ছিল 'মহাশয়ের চরণকমল স্মরণ করিয়া প্রণীত'।

রামচন্দ্র বিদ্যাবাগীশ রচিত প্রাইমারটি প্রকাশ করে যে-প্রতিষ্ঠান তার নাম হল:

1. তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা
2. হিন্দুকলেজ পাঠশালা
3. কলিকাতা স্কুল সোসাইটি
4. কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

নীচের অনুচ্ছেদটি অনুসরণ করে প্রশ্নগুলির উত্তর দিতে হবে:

উনিশ শতকে বাংলা প্রাইমারের ক্ষেত্রে বৈপ্লবিক পরিবর্তন এল ১৮৪৯ সালে। সে-বছর বেথুনের 'ক্যালকাটা ফিমেল স্কুল' প্রতিষ্ঠা হয়। মদনমোহন তর্কালঙ্কার নিজের কন্যাকেই শুধু সেখানে ভর্তি করেছিলেন তাই নয়, সেখানে পাঠদান এবং ছাত্রীদের উপযুক্ত পাঠ্যগ্রন্থ হিসেবে 'শিশুশিক্ষা' সিরিজের প্রথম তিনটি ভাগ রচনা করেছিলেন তিনি স্বয়ং; যার প্রথম ভাগ রচিত হয় স্কুলটির প্রতিষ্ঠার বছরেই।

প্রচলিত প্রথা ভেঙে মদনমোহন প্রথমে স্বরধ্বনি ও পরে ব্যঞ্জনধ্বনি স্থাপন করেছেন। অনুস্বার ও বিসর্গকে তিনি স্বরধ্বনির মর্যাদা দেন। প্রবোধচন্দ্র সেন তাঁর সম্পর্কে লিখেছিলেন, 'তিনি গতানুগতিকতার স্থলে আনলেন যুক্তিপ্ৰয়োগের আর্দশ। প্রথার বদলে বিচার, রীতির বদলে নীতি।' ১৮৫৫সালে বাংলা প্রাইমারের আরেক মাইল ফলক প্রকাশিত হয় --- বিদ্যাসাগরের 'বর্ণপরিচয়'-এর প্রথম ভাগ। এই দুইয়ের মাঝে অবশ্য প্রকাশিত হয় অজ্ঞাতনামা লেখকদের বেশ কয়েকটি 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার।

উনিশ শতকের শিশুদের বর্ণশিক্ষার প্রাইমারের তালিকা অবশ্য বেশ দীর্ঘ --- প্রায় পাঁচশোটি। তবে ১৮৩৫ সালের আগে প্রাইমার রচনায় বাঙালিদের তেমন উৎসাহ দেখা যায়নি। মিশনারিরা এব্যাপারে পথিকৃতের মর্যাদা পেতে পারেন। তাঁরা 'লিপিধারা' নামের প্রাইমার প্রকাশ করেছিলেন উনিশ শতকের দ্বিতীয় দশকেই। এই প্রাইমার প্রকাশের পর পরপর দুবছরে প্রতিষ্ঠিত হয় যথাক্রমে 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি' এবং 'কলিকাতা স্কুল সোসাইটি'(১৮১৮)। 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি'-র পক্ষ থেকে প্রতিষ্ঠার পরের বছরেই প্রকাশিত হয় 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার। ১৮৩৫ সালে ঈশ্বরচন্দ্র বসু লেখেন 'বর্ণমালা শেখার বই 'শব্দসার'। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা'(১৮৪০) প্রতিষ্ঠার একবছর আগে প্রতিষ্ঠিত হিন্দু কলেজ পাঠশালার উদ্যোগে লেখা হয় নতুন প্রাইমার 'শিশুসেবধি'। এটা একটা সিরিজ, ব্রজেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়ের মতে যার প্রথম দুটি খণ্ড লেখেন রামচন্দ্র বিদ্যাবাগীশ। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা' তার প্রতিষ্ঠার বছরেই প্রকাশ করে প্রাইমার 'বর্ণমালা'; এর দুটি খণ্ডের দ্বিতীয়টি প্রকাশিত হয় প্রথমটির চারবছর বাদে ১৮৪৪ সালে।

মদনমোহন ও বিদ্যাসাগরের প্রাইমার নিয়ে নানারকম তঞ্চকতাও ঘটেছে উত্তরকালে। ১৮৯৭ সালে মুন্সি জমারত হুসেন মদনমোহনের প্রাইমারের নামের আগে শুধু 'সচিত্র' শব্দটি যোগ করে তা প্রকাশ করেন। গৌরচন্দ্র দাস ১৯০০ সালে প্রকাশ করেন কিনা 'মদনমোহনের 'শিশুশিক্ষা' ৪র্থ ভাগ! বিদ্যাসাগরের দুর্দশা আরো করুণ। ১৮৮৯ সালে 'অনুসন্ধান' পত্রিকা লেখে, 'বিদ্যাসাগরের বর্ণপরিচয় বহুসংখ্যক বিক্রীত হয়। জুয়াচোর গ্রন্থকারও বর্ণপরিচয় ছাপাইল।' তাতে মোটা হরফে লেখা ছিল 'বর্ণপরিচয় প্রথম ভাগ, শ্রীঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর; আর আণুবীক্ষণিক খুদে হরফে তার নীচে উল্লিখিত ছিল 'মহাশয়ের চরণকমল স্মরণ করিয়া প্রণীত'!

প্রদত্ত অনুচ্ছেদ অনুসরণ করে নীচে কয়েকটি প্রাইমারের নামোল্লেখ করা হল:

- কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটির 'বর্ণমালা'
- তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা প্রকাশিত 'বর্ণমালা'র প্রথম খণ্ড
- 'শিশুসেবধি'র প্রথম খণ্ড
- মিশনারিদেরই প্রকাশিত 'লিপিধারা'

নীচের সংকেতে শুদ্ধ ক্রমের ঠিক বিকল্পটি হল:

1. C, D, A, B
2. D, A, C, B
3. B, C, D, A
4. B, D, A, C

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

নীচের অনুচ্ছেদটি অনুসরণ করে প্রশ্নগুলির উত্তর দিতে হবে:

উনিশ শতকে বাংলা প্রাইমারের ক্ষেত্রে বৈপ্লবিক পরিবর্তন এল ১৮৪৯ সালে। সে-বছর বেথুনের 'ক্যালকাটা ফিমেল স্কুল' প্রতিষ্ঠা হয়। মদনমোহন তর্কালঙ্কার নিজের কন্যাকেই শুধু সেখানে ভর্তি করেছিলেন তাই নয়, সেখানে পাঠদান এবং ছাত্রীদের উপযুক্ত পাঠ্যগ্রন্থ হিসেবে 'শিশুশিক্ষা' সিরিজের প্রথম তিনটি ভাগ রচনা করেছিলেন তিনি স্বয়ং; যার প্রথম ভাগ রচিত হয় স্কুলটির প্রতিষ্ঠার বছরেই।

প্রচলিত প্রথা ভেঙে মদনমোহন প্রথমে স্বরধ্বনি ও পরে ব্যঞ্জনধ্বনি স্থাপন করেছেন। অনুস্বার ও বিসর্গকে তিনি স্বরধ্বনির মর্যাদা দেন। প্রবোধচন্দ্র সেন তাঁর সম্পর্কে লিখেছিলেন, 'তিনি গতানুগতিকতার স্থলে আনলেন যুক্তিপ্ৰয়োগের আদর্শ। প্রথার বদলে বিচার, রীতির বদলে নীতি।' ১৮৫৫সালে বাংলা প্রাইমারের আরেক মাইল ফলক প্রকাশিত হয় --- বিদ্যাসাগরের 'বর্ণপরিচয়'-এর প্রথম ভাগ। এই দুইয়ের মাঝে অবশ্য প্রকাশিত হয় অজ্ঞাতনামা লেখকদের বেশ কয়েকটি 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার।

উনিশ শতকের শিশুদের বর্ণশিক্ষার প্রাইমারের তালিকা অবশ্য বেশ দীর্ঘ --- প্রায় পাঁচশোটি। তবে ১৮৩৫ সালের আগে প্রাইমার রচনায বাঙালিদের তেমন উৎসাহ দেখা যায়নি। মিশনারিরা এব্যাপারে পথিকৃতের মর্যাদা পেতে পারেন। তাঁরা 'লিপিধারা' নামের প্রাইমার প্রকাশ করেছিলেন উনিশ শতকের দ্বিতীয় দশকেই। এই প্রাইমার প্রকাশের পর পরপর দুবছরে প্রতিষ্ঠিত হয় যথাক্রমে 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি' এবং 'কলিকাতা স্কুল সোসাইটি'(১৮১৮)। 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি'-র পক্ষ থেকে প্রতিষ্ঠার পরের বছরেই প্রকাশিত হয় 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার। ১৮৩৫ সালে ঈশ্বরচন্দ্র বসু লেখেন বর্ণমালা শেখার বই 'শব্দসার'। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা'(১৮৪০) প্রতিষ্ঠার একবছর আগে প্রতিষ্ঠিত হিন্দু কলেজ পাঠশালার উদ্যোগে লেখা হয় নতুন প্রাইমার 'শিশুসেবধি'। এটা একটা সিরিজ, ব্রজেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়ের মতে যার প্রথম দুটি খণ্ড লেখেন রামচন্দ্র বিদ্যাবাগীশ। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা' তার প্রতিষ্ঠার বছরেই প্রকাশ করে প্রাইমার 'বর্ণমালা'; এর দুটি খণ্ডের দ্বিতীয়টি প্রকাশিত হয় প্রথমটির চারবছর বাদে ১৮৪৪ সালে।

মদনমোহন ও বিদ্যাসাগরের প্রাইমার নিয়ে নানারকম তঞ্চকতাও ঘটেছে উত্তরকালে। ১৮৯৭ সালে মুন্সি জমারত হুসেন মদনমোহনের প্রাইমারের নামের আগে শুধু 'সচিত্র' শব্দটি যোগ করে তা প্রকাশ করেন। গৌরচন্দ্র দাস ১৯০০ সালে প্রকাশ করেন কিনা 'মদনমোহনের' 'শিশুশিক্ষা' ৪র্থ ভাগ! বিদ্যাসাগরের দুর্দশা আরো করুণ। ১৮৮৯ সালে 'অনুসন্ধান' পত্রিকা লেখে, 'বিদ্যাসাগরের বর্ণপরিচয় বহুসংখ্যক বিক্রীত হয়। জুয়াচারে গ্রন্থকারও বর্ণপরিচয় ছাপাইল।' তাতে মোটা হরফে লেখা ছিল 'বর্ণপরিচয় প্রথম ভাগ, শ্রীঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর, আর আণুবীক্ষণিক খুদে হরফে তার নীচে উল্লিখিত ছিল 'মহাশয়ের চরণকমল স্মরণ করিয়া প্রণীত'।

প্রদত্ত অনুচ্ছেদ অনুসরণ করে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল:

বিবৃতি ১: বিদ্যাসাগরের 'বর্ণপরিচয়' নিয়ে 'জুয়াচুরি' হত সেকালে।

বিবৃতি ২: বিদ্যাসাগরের 'বর্ণপরিচয়'-এর বাজার বেশ ভালোই ছিল।

উপরের দুটি বিবৃতির পরিপ্রেক্ষিতে নীচের সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

১. বিবৃতি ১ ও বিবৃতি ২ উভয়ই ঠিক
২. বিবৃতি ১ ঠিক কিন্তু বিবৃতি ২ ভুল
৩. বিবৃতি ১ ভুল কিন্তু বিবৃতি ২ ঠিক
৪. বিবৃতি ১ ও বিবৃতি ২ উভয়ই ভুল

(1) 1

(2) 2

(3) 3

(4) 4

1[Option ID=26093] Question Description : bwlg_pg_ben_ben_2_q98
2[Option ID=26094]
3[Option ID=26095]
4[Option ID=26096]

নীচের অনুচ্ছেদটি অনুসরণ করে প্রশ্নগুলির উত্তর দিতে হবে:

উনিশ শতকে বাংলা প্রাইমারের ক্ষেত্রে বৈপ্লবিক পরিবর্তন এল ১৮৪৯ সালে। সে-বছর বেথুনের 'ক্যালকাটা ফিমেল স্কুল' প্রতিষ্ঠা হয়। মদনমোহন তর্কালঙ্কার নিজের কন্যাকেই শুধু সেখানে ভর্তি করেছিলেন তাই নয়, সেখানে পাঠদান এবং ছাত্রীদের উপযুক্ত পাঠ্যগ্রন্থ হিসেবে 'শিশুশিক্ষা' সিরিজের প্রথম তিনটি ভাগ রচনা করেছিলেন তিনি স্বয়ং; যার প্রথম ভাগ রচিত হয় স্কুলটির প্রতিষ্ঠার বছরেই।

প্রচলিত প্রথা ভেঙে মদনমোহন প্রথমে স্বরধ্বনি ও পরে ব্যঞ্জনধ্বনি স্থাপন করেছেন। অনুস্বার ও বিসর্গকে তিনি স্বরধ্বনির মর্যাদা দেন। প্রবোধচন্দ্র সেন তাঁর সম্পর্কে লিখেছিলেন, 'তিনি গতানুগতিকতার স্থলে আনলেন যুক্তিপ্ৰয়োগের আর্দশ। প্রথার বদলে বিচার, রীতির বদলে নীতি।' ১৮৫৫সালে বাংলা প্রাইমারের আরেক মাইল ফলক প্রকাশিত হয় --- বিদ্যাসাগরের 'বর্ণপরিচয়'-এর প্রথম ভাগ। এই দুইয়ের মাঝে অবশ্য প্রকাশিত হয় অজ্ঞাতনামা লেখকদের বেশ কয়েকটি 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার।

উনিশ শতকের শিশুদের বর্ণশিক্ষার প্রাইমারের তালিকা অবশ্য বেশ দীর্ঘ --- প্রায় পাঁচশোটি। তবে ১৮৩৫ সালের আগে প্রাইমার রচনায় বাঙালিদের তেমন উৎসাহ দেখা যায়নি। মিশনারিরা এব্যাপারে পথিকৃতির মর্যাদা পেতে পারেন। তাঁরা 'লিপিধারা' নামের প্রাইমার প্রকাশ করেছিলেন উনিশ শতকের দ্বিতীয় দশকেই। এই প্রাইমার প্রকাশের পর পরপর দুবছরে প্রতিষ্ঠিত হয় যথাক্রমে 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি' এবং 'কলিকাতা স্কুল সোসাইটি'(১৮১৮)। 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি'-র পক্ষ থেকে প্রতিষ্ঠার পরের বছরেই প্রকাশিত হয় 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার। ১৮৩৫ সালে ঈশ্বরচন্দ্র বসু লেখেন বর্ণমালা শেখার বই 'শব্দসার'। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা'(১৮৪০) প্রতিষ্ঠার একবছর আগে প্রতিষ্ঠিত হিন্দু কলেজ পাঠশালার উদ্যোগে লেখা হয় নতুন প্রাইমার 'শিশুসেবধি'। এটা একটা সিরিজ, ব্রজেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়ের মতে যার প্রথম দুটি খণ্ড লেখেন রামচন্দ্র বিদ্যাবাগীশ। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা' তার প্রতিষ্ঠার বছরেই প্রকাশ করে প্রাইমার 'বর্ণমালা'; এর দুটি খণ্ডের দ্বিতীয়টি প্রকাশিত হয় প্রথমটির চারবছর বাদে ১৮৪৪ সালে।

মদনমোহন ও বিদ্যাসাগরের প্রাইমার নিয়ে নানারকম তঞ্চকতাও ঘটেছে উত্তরকালে। ১৮৯৭ সালে মুন্সি জমারত হুসেন মদনমোহনের প্রাইমারের নামের আগে শুধু 'সচিত্র' শব্দটি যোগ করে তা প্রকাশ করেন। গৌরচন্দ্র দাস ১৯০০ সালে প্রকাশ করেন কিনা 'মদনমোহনের' 'শিশুশিক্ষা' ৪র্থ ভাগ! বিদ্যাসাগরের দুর্দশা আরো করুণ। ১৮৮৯ সালে 'অনুসন্ধান' পত্রিকা লেখে, 'বিদ্যাসাগরের বর্ণপরিচয় বহুসংখ্যক বিক্রীত হয়। জুয়াচোর গ্রন্থকারও বর্ণপরিচয় ছাপাইল।' তাতে মোটা হরফে লেখা ছিল 'বর্ণপরিচয় প্রথম ভাগ, শ্রীঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর, আর আণুবীক্ষণিক খুদে হরফে তার নীচে উল্লিখিত ছিল 'মহাশয়ের চরণকমল স্মরণ করিয়া প্রণীত'!

প্রদত্ত অনুচ্ছেদ অনুসরণ করে নীচে কয়েকটি শুদ্ধ-অশুদ্ধ মন্তব্য দেওয়া হল:

- মদনমোহন তর্কালঙ্কার 'শিশুশিক্ষা' চতুর্থ ভাগও রচনা করেছিলেন।
- তত্ত্ববোধিনী পাঠশালার প্রাইমারটি প্রথম প্রকাশিত হয় ১৮৪০ সালে।
- অজ্ঞাতনামা লেখকদের 'বর্ণমালা' প্রকাশের হিড়িক পড়েছিল বিদ্যাসাগরের 'বর্ণপরিচয়'-এর প্রভাবে।
- 'লিপিধারা'র প্রকাশকাল ১৮২০- এর মধ্যে।

প্রদত্ত সংকেতে যে-বিকল্পটিতে সবকটি মন্তব্য শুদ্ধ, সেটি হল:

- A, B এবং C
- B, C এবং D
- C, D এবং A
- D, A এবং B

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4

নীচের অনুচ্ছেদটি অনুসরণ করে প্রশ্নগুলির উত্তর দিতে হবে:

উনিশ শতকে বাংলা প্রাইমারের ক্ষেত্রে বৈপ্লবিক পরিবর্তন এল ১৮৪৯ সালে। সে-বছর বেথুনের 'ক্যালকাটা ফিমেল স্কুল' প্রতিষ্ঠা হয়। মদনমোহন তর্কালঙ্কার নিজের কন্যাকেই শুধু সেখানে ভর্তি করেছিলেন তাই নয়, সেখানে পাঠদান এবং ছাত্রীদের উপযুক্ত পাঠ্যগ্রন্থ হিসেবে 'শিশুশিক্ষা' সিরিজের প্রথম তিনটি ভাগ রচনা করেছিলেন তিনি স্বয়ং; যার প্রথম ভাগ রচিত হয় স্কুলটির প্রতিষ্ঠার বছরেই।

প্রচলিত প্রথা ভেঙে মদনমোহন প্রথমে স্বরধ্বনি ও পরে ব্যঞ্জনধ্বনি স্থাপন করেছেন। অনুস্বার ও বিসর্গকে তিনি স্বরধ্বনির মর্যাদা দেন। প্রবোধচন্দ্র সেন তাঁর সম্পর্কে লিখেছিলেন, 'তিনি গতানুগতিকতার স্থলে আনলেন যুক্তিপ্ৰয়োগের আদর্শ। প্রথার বদলে বিচার, রীতির বদলে নীতি।' ১৮৫৫সালে বাংলা প্রাইমারের আরেক মাইল ফলক প্রকাশিত হয় --- বিদ্যাসাগরের 'বর্ণপরিচয়'-এর প্রথম ভাগ। এই দুইয়ের মাঝে অবশ্য প্রকাশিত হয় অজ্ঞাতনামা লেখকদের বেশ কয়েকটি 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার।

উনিশ শতকের শিশুদের বর্ণশিক্ষার প্রাইমারের তালিকা অবশ্য বেশ দীর্ঘ --- প্রায় পাঁচশোটি। তবে ১৮৩৫ সালের আগে প্রাইমার রচনায বাঙালিদের তেমন উৎসাহ দেখা যায়নি। মিশনারিরা এব্যাপারে পথিকৃতের মর্যাদা পেতে পারেন। তাঁরা 'লিপিধারা' নামের প্রাইমার প্রকাশ করেছিলেন উনিশ শতকের দ্বিতীয় দশকেই। এই প্রাইমার প্রকাশের পর পরপর দুবছরে প্রতিষ্ঠিত হয় যথাক্রমে 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি' এবং 'কলিকাতা স্কুল সোসাইটি'(১৮১৮)। 'কলিকাতা স্কুল বুক সোসাইটি'-র পক্ষ থেকে প্রতিষ্ঠার পরের বছরেই প্রকাশিত হয় 'বর্ণমালা' নামের প্রাইমার। ১৮৩৫ সালে ঈশ্বরচন্দ্র বসু লেখেন বর্ণমালা শেখার বই 'শব্দসার'। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা'(১৮৪০) প্রতিষ্ঠার একবছর আগে প্রতিষ্ঠিত হিন্দু কলেজ পাঠশালার উদ্যোগে লেখা হয় নতুন প্রাইমার 'শিশুসেবধি'। এটা একটা সিরিজ, ব্রজেন্দ্রনাথ বন্দ্যোপাধ্যায়ের মতে যার প্রথম দুটি খণ্ড লেখেন রামচন্দ্র বিদ্যাবাগীশ। 'তত্ত্ববোধিনী পাঠশালা' তার প্রতিষ্ঠার বছরেই প্রকাশ করে প্রাইমার 'বর্ণমালা'; এর দুটি খণ্ডের দ্বিতীয়টি প্রকাশিত হয় প্রথমটির চারবছর বাদে ১৮৪৪ সালে।

মদনমোহন ও বিদ্যাসাগরের প্রাইমার নিয়ে নানারকম তৎপরতাও ঘটেছে উত্তরকালে। ১৮৯৭ সালে মুন্সি জমারত হুসেন মদনমোহনের প্রাইমারের নামের আগে শুধু 'সচিত্র' শব্দটি যোগ করে তা প্রকাশ করেন। গৌরচন্দ্র দাস ১৯০০ সালে প্রকাশ করেন কিনা 'মদনমোহনের 'শিশুশিক্ষা' ৪র্থ ভাগ! বিদ্যাসাগরের দুর্দশা আরো করুণ। ১৮৮৯ সালে 'অনুসন্ধান' পত্রিকা লেখে, 'বিদ্যাসাগরের বর্ণপরিচয় বহুসংখ্যক বিক্রীত হয়। জুয়াচার গ্রন্থকারও বর্ণপরিচয় ছাপাইল।' তাতে মোটা হরফে লেখা ছিল 'বর্ণপরিচয় প্রথম ভাগ, শ্রীঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগর, আর আণুবীক্ষণিক খুদে হরফে তার নীচে উল্লিখিত ছিল 'মহাশয়ের চরণকমল স্মরণ করিয়া প্রণীত'।

প্রদত্ত অনুচ্ছেদ অনুসরণে নীচে দুটি বিবৃতি দেওয়া হল যার প্রথমটি মন্তব্য এবং দ্বিতীয়টি যুক্তি হিসেবে চিহ্নিত:

মন্তব্য: প্রবোধচন্দ্র সেন মদনমোহন তর্কালঙ্কারের প্রাইমার সম্পর্কে বলেছেন তিনি তাঁর 'শিশুশিক্ষা' প্রণয়ণে 'প্রথার বদলে বিচার, রীতির বদলে নীতি' -র আদর্শ গ্রহণ করেন।

যুক্তি: প্রবোধচন্দ্রের এই কথাতেই স্পষ্ট যে মদনমোহন সুকুমারমতি শিশুদের জন্য নীতি বিচারের মূল্যশিক্ষায় বিশেষ গুরুত্ব দিয়েছিলেন।

প্রদত্ত সংকেতে ঠিক উত্তরটি হল:

1. মন্তব্য ও যুক্তি উভয়ই ঠিক এবং যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা
2. মন্তব্য ও যুক্তি উভয়ই ঠিক কিন্তু যুক্তি মন্তব্যের যথার্থ ব্যাখ্যা নয়
3. মন্তব্যটি ঠিক কিন্তু যুক্তিটি ভুল
4. মন্তব্য ও যুক্তি উভয়ই ভুল

- (1) 1
- (2) 2
- (3) 3
- (4) 4